राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार, २६ मई २०२१ वर्ष-४, अंक -१२२ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of
India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

भारत में वैक्सीन की दोनों डोज के बीच अंतर बढ़ाने का क्या है आधार?

नई दिल्ली। भारत में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर और टीके की किल्लत साथ-साथ जारी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल ही में कोविशील्ड वैक्सीन की दोनों डोज के बीच अंतराल को बढ़ाकर तीन महीना कर दिया गया। सरकार के इस फैसले पर जमकर बयानबाजी हुई। विपक्ष ने आरोप लगाया कि वैक्सीन की कमी के कारण से ऐसे फैसले लिए जा रहे हैं। आपको बता दें कि सरकार ने पहले दोनों खुराक के बीच अंतर 28 दिन तय किए थे। हालांकि, टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) के अध्यक्ष डॉ. एनके अरोड़ा ने सोमवार को कोरोना को मात देने वालों के लिए टीकाकरण की अवधि को तीन महीने के लिए टालने के सरकार के फैसले को सही ठहराया है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, उन्होंने कहा कि भारत टीकाकरण के संबंध में अपने सभी निर्णय वैज्ञानिकता के आधार पर लिया है। एनके अरोड़ा ने कहा, ÷हम वैज्ञानिक प्रमाणों का उपयोग करते हैं और टीकों का सर्वोत्तम उपयोग करते हैं। हम न केवल सर्वोत्तम प्रभावकारिता रखने की कोशिश कर रहे हैं, बल्कि यह भी देखने की कोशिश कर रहे हैं कि देश आगे चलकर विभिन्न प्रकार और कोरोना वायरस की लहरों से सुरक्षित रहे। हम जानते हैं कि कोरोना वायरस कुछ समय तक रहेगा। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि लोग पर्याप्त रूप से सुरक्षित हैं। यहां, मुझे यह भी कहना होगा कि टीके की कमी केवल अगले छह सप्ताह के लिए है।÷ इससे पहले, नेशनल एक्सपर्ट ग्रुप ऑन वैक्सीन एडमिनिस्ट्रेशन फॉर कोविड -19 (एनईजीवीएसी) ने सिफारिश की थी कि बीमारी के ठीक होने के बाद टीकाकरण को तीन महीने के लिए टाल दिया जाना चाहिए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, ये सिफारिशें उभरते वैश्विक वैज्ञानिक साक्ष्य और अनुभव के आधार पर की गई थीं।

सीबीआई निदेशक पर नहीं हो पाया फैसला

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने याद दिलाया 6 महीने का नियम

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को सीबीआई के नए निदेशक की नियुक्त को लेकर हुई बैठक में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एनवी रमाना ने एक नियम की याद दिला दी, जिससे सरकार की ओर से प्रस्तावित दो नाम रेस से बाहर हो सकते हैं। मीटिंग में चीफ जस्टिस ने सुप्रीम कोर्ट के ही एक फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे लोगों को पुलिस चीफ जैसे पदों पर नहीं बिठाना चाहिए, जिनका कार्यकाल 6 महीने से कम का बचा हो। मीटिंग में महाराष्ट्र के पूर्व डीजीपी सुबोध कुमार जायसवाल, सशस्त्र सीमा बल के डीजी केआर चंद्र और होम मिनिस्ट्री के स्पेशल सेक्रेटरी वीकेएस कौमुदी के नामों पर चर्चा हुई है, लेकिन कोई सहमति नहीं बन सकी।

पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में चीफ जस्टिस एनवी रमाना के अलावा सदन में नेता विपक्ष अधीर रंजन चौधरी भी शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक मीटिंग में जस्टिस रमाना ने '6 महीने के नियम' की याद दिलाई। रिपोर्ट्स के मुताबिक मीटिंग में यूपी के डीजीपी एचसी अवस्थी का भी नाम शामिल है। सूत्रों के मुताबिक रमाना ने मीटिंग में कहा कि पैनल को नियम के आधार पर ही किसी नाम पर विचार करना चाहिए। चीफ जस्टिस की राय का नेता विपक्ष अधीर रंजन चौधरी ने भी समर्थन किया है। मीटिंग में बीएसएफ के चीफ राकेश अस्थाना का नाम इस नियम के आधार पर खारिज कर दिया गया, जो 31 अगस्त को रिटायर होने वाले हैं।

सुबोध कुमार जायसवाल पर बन सकती है सहमति

इसके अलावा नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी चीफ वाईसी मोदी भी 31 मई को रिटायर होने वाले हैं। इन दोनों ही नामों को सीबीआई की टॉप पोस्ट की रेस में माना जा रहा था। ऐसे में सीआईएसएफ के चीफ सुबोध कुमार जायसवाल के नाम पर सहमति बनती दिख रही है, जो सभी नामों में से सीनियर हैं। पीएम नरेंद्र मोदी की मीटिंग 4 महीने के बाद हुई है। नेता विपक्ष अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि सरकार ने नामों के चयन में नियमों का सही ढंग से पालन नहीं किया है।

> पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में चीफ जस्टिस एनवी रमाना के अलावा सदन में नेता विपक्ष अधीर रंजन चौधरी भी शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक मीटिंग में जस्टिस रमाना ने '6 महीने के नियम' की याद दिलाई। रिपोर्ट्स के मुताबिक मीटिंग में यूपी के डीजीपी एचसी अवस्थी का भी नाम शामिल है।

सीबीआई निदेशक के सेलेक्शन का नियम

नियम के मुताबिक सीबीआई के निदेशक के पद पर ऐसे किसी अधिकारी के नाम पर विचार किया जाना चाहिए, जिसके पास भ्रष्टाचार के मामलों को निपटाने का अनुभव हो और वरिष्ठता क्रम के मुताबिक भी सीनियर हो। बता दें कि सीबीआई के निदेशक के पद से आरके शुक्ला फरवरी में ही रिटायर हो गए थे, तब से अडिशनल डायरेक्टर प्रवीण सिन्हा के पास एजेंसी का प्रभार है।

कैलाश विजयवर्गीय का दावा, देश में कोरोना की दूसरी लहर चीन का 'वायरल वार'

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की दूसरी लहर भारत पर किसी अभिशाप की तरह दिखाई पड़ रही है। लाखों लोग रोज संक्रमित हो रहे हैं तो हजारों जानें भी जा रही हैं। इस बीच बीजेपी के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने अपने एक दावे से सबको चौंका दिया है। कैलाश विजयवर्गीय ने भारत में कोरोना की दूसरी लहर को चीन की तरफ से भारत पर 'वायरल वार' बताया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि दूसरी लहर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता को खत्म करने की साजिश है।

सिर्फ भारत में ही क्यों आई दूसरी लहर

विजयवर्गीय ने कहा 'कोरोना की यह लहर आई है या भेजी गई है, यह सोचने वाली बात है। हमें लगता है कि यह चीन का वायरल वार है, क्योंकि सिर्फ भारत में ही दूसरी लहर आई है। पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, भूटान जैसे पड़ोसी देशों में नहीं आई।'

चीन के लिए राजनीति कर रही कांग्रेस

इसके अलावा उन्होंने कांग्रेस पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कमलनाथ ने कोरोना को भारतीय वेरिएंट बताया है। यह भारत को बदनाम करने की साजिश का हिस्सा है। चीन कांग्रेस और कमलनाथ के कंधों पर बंदूक रखकर हमारे देश में चला रहा है और दुनिया में हमें बदनाम कर रहा है। कांग्रेस देश में चीन के लिए राजनीति कर रही है।'

पीएम मोदी ने देश को ऑक्सीजन संकट से बचाया

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने देश को ऑक्सीजन संकट से बचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। आप ऑक्सीजन संकट के दौरान मोदी जी द्वारा किए गए कार्यों की कल्पना नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने नौसेना, सेना और वायु सेना का इस्तेमाल किया और जहाजों, हवाई जहाजों और ट्रेनों के माध्यम से ऑक्सीजन टैंकरों को लाया गया। शुरुआती 4-5 दिनों में परेशानी हुई। हमें दूसरी लहर की तीव्रता और उसके प्रभाव के बारे में पता नहीं था।

असम के सीएम हेमंत बिस्वा सरमा बोले-

मानसिक बीमार हैं अखिल गोगोई, विधानसभा में नहीं दे सकते एंट्री

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को राज्य विधानसभा में कहा कि रायजोर दल के अध्यक्ष और सिबसागर से नवनिर्वाचित विधायक अखिल गोगोई के मानसिक स्वास्थ्य का इलाज चल रहा है और वह वर्तमान में विधानसभा सत्र में भाग लेने के लिए अयोग्य हैं। सरमा ने गोगोई को विधानसभा सत्र में हिस्सा लेने की इजाजत देने की विपक्षी कांग्रेस की मांग को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसी के खिलाफ भी कोई नकारात्मक नजरिया नहीं रखा है। वहीं इसपर गोगोई की पार्टी ने कहा कि सरमा की टिप्पणी अपमानजनक है और विधायक के विशेषाधिकार का उल्लंघन है।

साल 2019 दिसंबर से गिरफ्तार हैं गोगोई–बता दें कि गोगोई नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के विरोध में उनकी भूमिका के चलते दिसंबर, 2019 से गिरफ्तार हैं। कई बीमारियों के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल (जीएमसीएच) में इलाज करा रहे 45 वर्षीय गोगोई को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की अदालत ने शुक्रवार को आयोजित नए विधायकों के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने की अनुमति दी। शपथ लेने के बाद गोगोई ने विधानसभा अध्यक्ष से पूरे सत्र में उन्हें हिस्सा लेने की अनुमति देने का अनुरोध किया। इससे पहले गोगोई ने जीएमसीएच से विधानसभा लाए जाने के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पर हाथापाई का आरोप लगाया था।

'मानसिक बीमारी का इलाज करा रहे गोगोई'–सरमा ने नई विधानसभा के पहले सत्र के आखिरी दिन कहा आखिर एक मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति को विधानसभा सत्र में भाग लेने की अनुमति कैसे दी जा सकती है? गोगोई का पिछले चार महीने से जीएमसीएच में इलाज चल रहा है। वह मनोवैज्ञानिक दिक्कतों, इमोश्नल इंबैलेंस और मानसिक समस्याओं का इलाज करवा रहे हैं।

'बीमार नहीं तो जेल में रहें गोगोई'

सरमा ने कहा कि जब गोगोई शपथ लेने के लिए पहले दिन विधानसभा में आये को वह कोविड प्रोटोकॉल भूल गए और हाउस के भीतर एक डेस्क से दूसरी डेस्क पर जाकर सभी से मुलाकात करने लगे। अगर वह कहते हैं कि वह बीमार नहीं है, तो उन्हें जेल में होना चाहिए। और अगर वह बीमार हैं तो उन्हें सभा में नहीं होना चाहिए।

आज दिखेगा 'यास' का चक्रवाती तेवर, जारी है तेज हवा और भारी बारिश

नई दिल्ली। ओडिशा के बालासोर के करीब पारादीप और सागर आइलैंड के बीच उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल तट के करीब से चक्रवाती तूफान यास के गुजरने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग की ओर से मंगलवार को यह जानकारी दी गई है। पश्चिम बंगाल के दीघा में बारिश शुरू हो गई है। यहां से बुधवार को चक्रवात यास के गुजरने का अनुमान है। ढ्ढरूष्ठ भुवनेश्वर के अनुसार, जगतसिंहपुर, केंद्रपाड़ा, भद्रक और बालासोर में हवा की स्पीड 150-160 किमी प्रति घंटे होगी और कल दोपहर तक बालासोर में लैंडफॉल की भी संभावना है। धमरा और पारादीप में खतरे को देखते हुए चेतावनी दे दी गई है। आज और कल के लिए ओडिशा के केंद्रपाड़ा, भद्रक, जगतसिंहपुर, बालासोर में भारी बारिश के कारण रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं मयूरभंज, जाजपुर, कटक, खोरदा और पुरी में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

12 घंटों में होगा भयंकर-IMD ने मंगलवार को पूर्वानुमान में बताया कि अगले 12 घंटों में यह तूफान भीषण रूप ले सकता है। IMD की ओर से आज जारी किए गए बुलेटिन में बताया गया, पूर्व-उत्तर बंगाल की खाड़ी से भीषण चक्रवात यास उत्तर पश्चिम की ओर 9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रहा है। अगले 12 घंटों में यह और भयंकर हो सकता है। बुधवार, 26 मई की सुबह यह पश्चिम बंगाल व ओडिशा के तट के करीब पहुंचेगा। ओडिशा के चांदीपुर में भी भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार 26 मई को चक्रवात बालासोर तट से टकराएगा और यहां लैंडफॉल हो सकता है। चक्रवात की आशंका को देखते हुए बालासोर जिले से लोगों को निकाल कर चांदीपुर में बनाए गए राहत शिविरों में पहुंचाने का काम जारी है।

WHO प्रमुख बोले- कोरोना के किसी भी वेरिएंट में वैक्सीन के प्रभाव को कम करने की क्षमता नहीं, लेकिन...

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर की वजह से बढ़ती चिंताओं के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि अब तक ऐसा कोई वैरिएंट सामने नहीं आया है, जो टीकों के असर को कम करता हो। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्येयियस ने हालांकि कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि भविष्य में ऐसा ही होगा। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस ने गुरुवार को 74 वीं विश्व स्वास्थ्य सभा में अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में कहा, ÷कोई भी रूप सामने नहीं आया है जो टीकों, निदान या चिकित्सा विज्ञान की प्रभावकारिता को महत्वपूर्ण रूप से कम करता है। लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि ऐसा ही रहेगा। वायरस लगातार बदल रहा है।

सितंबर तक 10 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक ने कहा कि इन विचारों से लोगों को टीकाकरण से हतोत्साहित नहीं होना चाहिए और सभी देशों में टीकाकरण की रफ्तार बढ़ाने का आह्वान किया जाना चाहिए। उन्होंने सदस्य देशों से सितंबर तक हर देश की कम से कम 10 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण करने के लिए ÷सितंबर तक स्प्रिंट÷ का समर्थन करने और कम से कम 30 प्रतिशत टीकाकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ÷दिसंबर तक अभियान÷ का समर्थन करने का आग्रह किया।

वैक्सीन वितरण पर-विकसित और विकासशील देशों के बीच टीके वितरण के अंतर पर डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने इसे एक निंदनीय असमानता जो महामारी को समाप्त कर रही है करार दिया। उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और कोरोना से संक्रमण के उच्च जोखिम वाले लोगों को टीके की खुराक प्राप्त होगी। इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि पर्याप्त टीके नहीं हैं, डब्ल्यूएचओ के प्रमुख ने संपन्न देशों से बच्चों को टीका लगाने से रोकने और उन लोगों को खुराक दान करने का आह्वान किया, जिन्हें वास्तव में उनकी आवश्यकता है। उन्होंने कहा, दुनिया के अधिकांश टीकों को बनाने और खरीदने वाले देशों का एक छोटा समूह बाकी दुनिया के भाग्य को नियंत्रित करता है। बच्चों और अन्य कम जोखिम वाले समूहों का टीकाकरण करने वाले देश अब अन्य देशों में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और उच्च जोखिम वाले समूहों की कीमत पर ऐसा करते हैं। यही वास्तविकता है।

एंटीगुआ से भागकर क्यूबा चला गया भगोड़ा मेहुल चोकसी?

जांच में जुटी पुलिस, ED और CBI भी अलर्ट

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक में करोड़ों रुपए की हेराफेरी कर भारत से फरार हुआ हीरा कारोबारी एंटीगुआ से भी लापता हो गया है। वहां की पुलिस रविवार शाम से लापता चोकसी का पता लगाने की कोशिश कर रही है। पुलिस के एक बयान के अनुसार, चोकसी को आखिरी बार शाम करीब 5:15 बजे (स्थानीय समयानुसार) घर से निकलने से पहले एक कार में देखा गया था, जिसे बरामद कर लिया गया है। चोकसी के वकीलों ने कहा कि व्यवसायी द्वीप के दक्षिणी हिस्से में रात के खाने के लिए गया था और फिर कभी नहीं देखा गया। इस बात की संभावना जताई जा रही है कि वह एंटीगुआ से भाग कर क्यूबा चला गया हो

चोकसी भारत में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा 14,000 करोड़ के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ऋण धोखाधड़ी और मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में वांछित है। वह 2018 में कैरिबियाई द्वीप राष्ट्र एंटीगुआ और बारबुडा भाग गया था। इसके बाद से वह लगातार वहीं रह रहा था।

जॉनसन पॉइंट पुलिस स्टेशन में एक आधिकारिक शिकायत दर्ज किए जाने के बाद, पुलिस ने भारतीय व्यवसायी की तलाश शुरू की। हालांकि, इसका अब तक कोई नतीजा नहीं निकला है। पुलिस ने बयान में कहा, ÷प्राप्त अतिरिक्त जानकारी के आधार पर पुलिस ने कई तलाशी लीं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

एंटीगुआ पुलिस ने जारी किया हुलिया–पुलिस ने पहचान के उद्देश्य से उसकी शारीरिक बनावट की जानकारी देते हुए जनता से कहा कि अगर किसी को कोई जानकारी मिलती है तो वह जॉनसन प्वाइंट पुलिस स्टेशन या आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को सूचित करें। पुलिस के बयान में कहा गया है, ÷भारतीय मूल का मेहुल चोकसी भूरे रंग का और पांच फीट छह इंच ऊंचाई का व्यक्ति है। जो भारी रूप से गंजा है। पुलिस चोकसी के ठिकाने को जानने के लिए जनता की सहायता मांग रही है।÷

भारत में अलर्ट मोड पर ईडी और सीबीआई–भारतीय एजेंसियों- सीबीआई और ईडी दोनों ने मेहुल चोकसी के संबंध में रिपोर्ट और एंटीगुआन पुलिस के बयान देखे हैं। वे उचित चैनलों, अधिकारियों के माध्यम से घटना के बारे में अधिक जानकारी का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। इस बात की संभावना जताई जा रही है कि वह एंटीगुआ से भाग कर क्यूबा चला गया हो। आपको बता दें कि भारत से भागने के बाद मेहुल चोकसी ने कैरिबियाई द्वीप राष्ट्र एंटीगुआ और बारबुडा की नागरिकता ले ली थी।

एंटीगुआ और बारबुडा में रहने वाले 61 वर्षीय भारतीय कारोबारी और गीतांजलि समूह के मालिक मेहुल चोकसी को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वांटेड घोषित कर रखा है। मेहुल चोकसी ने मेगा-घोटाले के सामने आने से एक महीना पहले 4 जनवरी, 2018 को एंटीगुआ भागने से पहले 13,578 करोड़ पीएनबी धोखाधड़ी में करीब 7,080 करोड़ की हेराफेरी की।

पीएनबी के साथ धोखाधड़ी का है आरोप–चोकसी के खिलाफ पंजाब नेशनल बैंक धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। वह कथित तौर पर 2013 में शेयर बाजार में हेरफेर में शामिल था।सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता पंजाब नेशनल बैंक में धोखाधड़ी करने के बाद चोकसी देश छोड़कर भाग गया। बाद में उसे भगोड़ा घोषित किया गया। पिछले साल दायर एक चार्जशीट में, ईडी ने दावा किया था कि चोकसी ने न केवल भारतीय बैंकों को बल्कि दुबई और संयुक्त राज्य अमेरिका में भी ग्राहकों और ऋणदाताओं को धोखा दिया है। उनकी ?2,500 करोड़ की संपत्ति पहले ही कुर्क की जा चुकी है। इस साल की शुरुआत में, एंटीगुआ और बारबुडा ने नवंबर 2017 में कैरेबियाई राष्ट्र की नागरिकता द्वारा निवेश कार्यक्रम (सीआईपी) के तहत दी गई भगोड़े हीरा व्यापारी की नागरिकता को रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

संक्रमण और किसान

यह खबर चिंताजनक है कि पिछले छह महीने से चल रहे किसान आंदोलन में अब 26 मई को राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन का कार्यक्रम भी शामिल हो गया है। इसके लिए आसपास के राज्यों से बड़ी संख्या में किसान दिल्ली की ओर कूच करने को तैयार हैं। देश में कोरोना संक्रमण की भयावह दूसरी लहर कुछ हल्की भले पड़ी हो, पर अभी थमी नहीं है। ऐसे में, यह अंदेशा होना स्वाभाविक है कि ऐसे विरोध प्रदर्शनों से फिर संक्रमण की रफ्तार बढ़ सकती है। यह देखा गया है कि किसान आंदोलन में कोविड से संबंधित सावधानियों के पालन में लापरवाही बरती जाती है, बल्कि ऐसे माहौल में सावधानी रखना लगभग नामुमकिन ही है। रैली, मेले, धरने-प्रदर्शन वगैरह में न तो सामाजिक दूरी का ख्याल रखना संभव होता है, न ही यह सुनिश्चित करना कि सभी लोग मास्क पहनें। यह बात निश्चित रूप से नहीं कही जा सकती कि इस आंदोलन की वजह से कोविड का कितना फैलाव हुआ, लेकिन ऐसे असुरक्षित माहौल से संक्रमण फैलना स्वाभाविक ही है। इसलिए बेहतर होगा कि सभी संबंधित पक्ष समझदारी दिखाएं। किसान अपने आंदोलन के छह महीने पूरे होने के मौके पर यह विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यह उनके लिए माकूल मौका इसलिए भी है कि रबी की फसल कट चुकी है और खरीफ की फसल की बुवाई में अभी वक्त है। फिर भी, कोरोना संकट के मद्देनजर संयम का परिचय देते हुए वे अपने विरोध प्रदर्शन को कुछ वक्त के लिए टाल दें, तो इससे आंदोलन को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा, और उनके प्रति समाज में सम्मान ही बढ़ेगा। देश के सभी प्रमुख विरोधी दलों ने किसानों के इस प्रदर्शन का समर्थन किया है और सरकार से यह आग्रह किया है कि वह जिद छोड़कर किसानों से बातचीत के लिए आगे आए। किसानों और सरकार के बीच बातचीत जनवरी में खत्म हो गई थी, जब आगे समझौते के आसार नहीं बचे थे। सरकार ने प्रस्ताव दिया था कि वह तीनों विवादित कृषि कानूनों को अगले अठारह महीने तक स्थगित कर देगी, पर किसान इनको खत्म करने, एमएसपी को कानूनन अधिकार बनाने व स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिशों को पूरी तरह लागू करने पर अड़े हुए हैं। जो भी स्थिति हो, समस्या का हल बातचीत से ही निकलेगा, और लोकतंत्र में आदर्श हल वही होता है, जिसमें किसी एक की जीत और दूसरे की हार नहीं होती। यह सरकार को भी समझना चाहिए कि अब तक जो बातचीत हुई है, उसमें लचीलेपन और एक-दूसरे को समझने की भावना की कमी थी और लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार को नागरिकों के सामने बड़प्पन और उदारता दिखानी होती है। अगर किसान इस हद तक लड़ने पर आमादा हैं, तो इसलिए कि वे इसे जीवन-मरण का सवाल मानते हैं, सिर्फ सरकारी नीतियों में बदलाव या आर्थिक सुधार का नहीं। जब देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति कमजोर हो और किसानों या आम लोगों की आय नहीं बढ़ रही हो, तब वे हर ऐसे कदम को शक की नजर से देखते हैं। आर्थिक सुधारों में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि उन्हें किस वक्त पर और किस तरह से लागू किया जाता है, और इन सुधारों में सबसे बड़ी समस्या यही रही है। लेकिन अब भी बातचीत और सौहार्द से रास्ता निकल सकता है, और कोरोना के फैलाव के गैर-जरूरी अंदेशे को भी रोका जा सकता है।

आज के ट्वीट

रतन टाटा को नमन..

टाटा स्टील ने घोषणा की है कि वह कोरोना के चलते जान गंवाने वाले हर कर्मचारी के परिवार को उसके 60 साल पूरे होने तक पूरी पतनखाह का भुगतान करेगी.. इतना ही नही, कर्मचारी के बच्चों की पत्रेजुएशन पूरी होने तक पढ़ाई का पूरा खर्चा कंपनी उठाएगी

देश का नमक यानी 'टाटा नमक' - पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

लॉकडाउन और टीके की लंबी रणनीति

भरत झुनझुनवाला

फ्रैंकफर्ट स्कूल आफ फाइनांस ने एक अध्ययन में बताया कि यदि लॉकडाउन नहीं लगाया जाता है तो मौतें अधिक संख्या में होती हैं, कार्य करने वाले लोगों की संख्या में गिरावट आती है और आर्थिक विकास प्रभावित होता है। इसके विपरीत यदि लॉकडाउन लगाया जाता है तो सीधे आर्थिक गतिविधियों पर ब्रेक लगता है और पुनः आर्थिक विकास प्रभावित होता है। फिर भी, उनके अनुसार लॉकडाउन लगाना उचित होता है, चूंकि यदि लॉकडाउन लगाया जाता है तो प्रभाव कम समय तक रहता है। लॉकडाउन के हटने के बाद अर्थव्यवस्था पुनः चालू हो जाती है। तुलना में यदि मौतें अधिक संख्या में होती हैं तो प्रभाव ज्यादा लम्बे समय तक रहता है। इसी क्रम में वित्तीय संस्था जेफ्रीज ने बताया है कि अमेरिका के तीन राज्य एरिजोना, टेक्सास और यूटा में लॉकडाउन लगभग नहीं लगाये गये। इन राज्यों में संक्रमण ज्यादा फैला और अंततः इनकी आर्थिक गतिविधियां ज्यादा प्रभावित हुई हैं। इनकी तुलना में जिन राज्यों ने लॉकडाउन लगाया, उनमें अल्प समय के लिए प्रभाव पड़ा और वे पुनः रास्ते पर आ गये। जेफ्रीज ने पुनः स्कैंडिनेविया के दो देशों स्वीडन और डेनमार्क का तुलनात्मक अध्ययन किया। बताया कि स्वीडन में लॉकडाउन नहीं लगाया गया और लोगों को स्वैच्छिक स्तर पर सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क पहनने के लिए प्रेरित किया गया जबकि डेनमार्क में लॉकडाउन लगाये गये। उन्होंने पाया कि स्वीडन में मौतें पांच गुना अधिक हुई हैं। आक्सफर्ड यूनिवर्सिटी ने एक अध्ययन में कहा है कि इंग्लैंड में देर से लॉकडाउन लगाने के कारण अधिक संख्या में मौतें हुई और विकास दर में ज्यादा गिरावट आई है। सुझाव दिया है कि लॉकडाउन लगाना जरूरी होता है। इन अध्ययनों से स्पष्ट है कि लॉकडाउन लगाना जरूरी होता है। इससे तत्काल एवं सीधे आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं लेकिन यह प्रभाव लम्बे समय तक नहीं रहता है। विशेषकर मौतें कम होने से जो मानव कष्ट है, वह भी कम होता है। अतः प्रश्न लॉकडाउन लगाने और न लगाने का नहीं है। लॉकडाउन तो लगाना ही पड़ेगा। सही प्रश्न यह है कि लॉकडाउन किस तरह से लगाया जाए, जिससे कि उसका तत्काल होने वाला आर्थिक नुकसान कम हो। दी इकोनामिक्स टुडे पत्रिका ने सुझाव दिया है कि कंस्ट्रक्शन और मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों के लिए श्रमिकों को कंस्ट्रक्शन साइट अथवा फैक्टरी की सरहद में ही रखा जा सकता है। उनके रहने, सोने और खाने की व्यवस्था वहीं कर दी जाए तो बाहर से सम्पर्क कम हो जाएगा, साथ ही संक्रमण फैलने की संभावना भी कम हो जायेगी। उन्होंने दूसरा सुझाव दिया है कि श्रमिकों को दो समूहों में विभाजित कर दिया जाए। उन्हें अलग-अलग शिफ्ट में कार्य स्थल पर बुलाया जाए, जिससे यदि एक समूह के श्रमिक संक्रमित होते हैं तो दूसरे समूह के श्रमिकों के जरिये आर्थिक गतिविधि बाधित नहीं होगी। हमें समझना चाहिए कि कोविड का वर्तमान संकट तत्काल समाप्त होने वाला नहीं है। यह लम्बे समय तक चल सकता है। हाल में ही इंग्लैंड के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि उनके आकलन के अनुसार कोविड के संकट से उबरने के लिए विश्व को तीन से पांच वर्ष लग जायेंगे क्योंकि एक, सम्पूर्ण विश्व का टीकाकरण होने में समय लगेगा; दो, इस दौरान वायरस के नये म्यूटेशन उत्पन्न हो सकते हैं; तीन, मौतें होने से तकनीकी विशेषज्ञों की कमी होगी, इत्यादि। इसलिए हमें दीर्घ अवधि के लिए सोचना चाहिए और इस गलतफहमी से उबरना चाहिए कि यदि हमने 15 दिन के लिए लॉकडाउन आरोपित कर दिया तो इसके बाद सब कुछ सामान्य हो जाएगा। जरूरत यह है कि किन कार्यों पर और किस प्रकार से लॉकडाउन लगाया जाए, इस पर विचार किया जाये। इसके हर कार्य का अलग-अलग आर्थिक आकलन किया जाये कि उस कार्य पर लॉकडाउन लगाने से कितनी हानि होगी और संक्रमण के बढ़ने में कितना खतरा है। तब लॉकडाउन का निर्णय लिया जाए। जैसे विद्यालय, बस यात्रा, रेल यात्रा, हवाई यात्रा, अंतर्राष्ट्रीय यात्रा, रेस्टोरेंट, सिनेमा, नुक्कड़ के बाजार, कंस्ट्रक्शन साइट और मैन्युफैक्चरिंग--इन सबका अलग-अलग लाभ-हानि का ब्योरा बनाया जा सकता है। गणना की जाये कि यदि बस यात्रा पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया तो उससे आर्थिक विकास में कितनी कमी आएगी और संक्रमण में कितनी कमी आएगी। इसी प्रकार हर गतिविधि का लाभ -हानि का आंकड़ा बनाया जा सकता है। उन विशेष गतिविधियों पर लॉकडाउन लगाया जा सकता है, जिन्हें प्रतिबंधित करने से संक्रमण की दर में गिरावट ज्यादा और आर्थिक नुकसान कम हो। जैसे सिनेमा घरों में अधिक संख्या में लोग आसपास बैठते हैं, अतः सिनेमा घर पर प्रतिबंध लगाने से संक्रमण में गिरावट ज्यादा होगी जबकि आर्थिक नुकसान कम होगा। इसी प्रकार नुक्कड़ बाजार में संक्रमण की संभावना एयरकंडिशन माल की तुलना में कम होती है क्योंकि खुलापन होता है; और संक्रमण हो भी जाए तो वह एक सीमित क्षेत्र में होता है जबकि आर्थिक गतिविधि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार हर गतिविधि का अलग-अलग लाभ-हानि का मूल्यांकन किया जाना चाहिए और तब तय करना चाहिए कि किन गतिविधियों को लॉकडाउन में शामिल किया जाए। प्रत्येक गतिविधि की भी अनेक श्रेणियां हैं। जैसे स्कूल में पहली श्रेणी हुई सम्पूर्ण लॉकडाउन, दूसरी श्रेणी हुई लॉकडाउन के साथ ई-लर्निंग, तीसरी श्रेणी हुई लॉकडाउन न लगाया जाए लेकिन टेस्टिंग और ट्रेसिंग की जाए, चौथी श्रेणी हुई कि लॉकडाउन लगाया ही न जाए। इन चारों श्रेणियों का भी अलग-अलग लाभ-हानि का आकलन करना चाहिए। जैसे पूर्ण लॉकडाउन में पढ़ाई में ज्यादा गिरावट आएगी और संक्रमण भी कम होगा। ई-लर्निंग के साथ साथ लॉकडाउन लगाया जायेगा तो पढ़ाई में कम गिरावट आएगी लेकिन खर्च बढ़ेगा और संक्रमण में ज्यादा गिरावट आएगी। लॉकडाउन के साथ यदि टेस्टिंग ट्रेसिंग की जाए तो पढ़ाई ज्यादा चलेगी लेकिन संक्रमण भी बढ़ेगा। यदि लॉकडाउन नहीं लगायेंगे तो पढ़ाई अच्छी होगी लेकिन संक्रमण भी तीव्र होगा। इस प्रकार चारों श्रेणियों का अलग-अलग लाभ-हानि का आकलन करके लॉकडाउन लगाने का निर्णय लेना चाहिए। टीका लगाने का भी इसी प्रकार अलग-अलग आकलन करना चाहिए। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों को प्राथमिकता देते हुए टीका लगाया जाए ताकि संक्रमण की संभावना कम हो जाए और श्रमिकों का नैतिक मनोबल ऊंचा बना रहे। वे निडर होकर कार्यस्थल पर रहें। इसी प्रकार सेवा क्षेत्र जैसे साफ्टवेयर, पर्यटन, आदि के आर्थिक योगदान के अनुसार टीका लगाने की प्राथमिकता तय करनी चाहिए। ध्यान रहे कि आर्थिक गतिविधि चलेगी तो सभी को अंततः लाभ होगा। सरकार को इस दिशा में तत्काल कदम उठाने चाहिए और उन क्षेत्रों को टीके में प्राथमिकता देनी चाहिए, जिनका आर्थिक योगदान ज्यादा है। लॉकडाउन और टीके की दीर्घकालीन तैयारी करनी चाहिए।

ज्ञान गंगा

स्व-महत्त्व

श्रीराम शर्मा आचार्य

अध्यात्म का अर्थ है अपने आपे का विज्ञान। पदार्थ विज्ञान का, साइंस का अपना महत्त्व है। उसी के आधार पर मानवी प्रगति की सुविधा साधनों की अगणित उपलब्धियां हस्तगत हो सकती हैं। उन्हीं के सहारे मनुष्य भौतिक प्रगति के पथ पर आगे बढ़ा है और अन्य जीवधारियों की तुलना में अधिक साधन संपन्न बना है। अध्यात्म चेतना का विज्ञान है। मनुष्य के दो भाग हैं-एक जड़ और दूसरा चेतन। जड़ पंच तत्त्वों से बना शरीर है और चेतन आत्मा। जड़ शरीर के लिए जड़ जगत् से साधन उपक्रम प्राप्त होते हैं और उन्हें जुटाने के लिए भौतिक विज्ञान की विद्या अपनानी पड़ती है। ठीक इसी प्रकार आत्मा को चेतना की प्रगति और समृद्धि के लिए चेतना विज्ञान का सहारा लेना पड़ता है। अध्यात्म विज्ञान, ब्रह्म विद्या का प्रयोजन इसी महती आवश्यकता की पूर्ति करता है। अध्यात्म विज्ञान के लक्ष्य हैं-आत्म कल्याण, पूर्णता के परमात्मा स्तर तक पहुंचना। इस प्रयोजन की पूर्ति के लिए चार चरण निर्धारित हैं-1. आत्म चिंतन, 2. आत्म सुधार, 3. आत्म निर्माण, तथा 4. आत्म विकास। 1. आत्मचिंतन अर्थात् अपने चेतन, अजर-अमर शुद्ध चेतन स्वरूप का मान। शरीर और मन में अपनी स्वतंत्र एवं पृथक् सत्ता की प्रगाढ़ अनुभूति। 2. आत्म सुधार अर्थात् अपने ऊपर चढ़े हुए मल आवरण विक्षेप, कषाय-कल्मषों का निरूपण-निरीक्षण और सुसंपन्न स्थिति को विपन्नता में बदल देने वाली विकृतियों की समुचित जानकारी। 3. आत्म निर्माण अर्थात् विकृतियों को निरस्त करके उनके स्थान पर सद्भावनाओं और सत्प्रवृत्तियों की, उत्कृष्ट कर्तृत्व और आदर्श कर्तव्य स्थापित करने का सुनिश्चित संकल्प एवं साहसिक प्रयास। 4. आत्म विकास अर्थात् चिंतन और कर्तृत्व को लोक मंगल के लिए सत्प्रवृत्ति संवर्धन के लिए और परमात्मस्तर पर विकसित होने के लिए अधिकाधिक संयम, तप, त्याग-बलिदान को संतोष एवं आनंद की अनुभूति। इन चार चरणों में आत्म कल्याण का लक्ष्य प्राप्त होता है। आत्म कल्याण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जो कुछ करना पड़ता है, उसी का नाम उपासना एवं साधना के दो पहियों पर चलने वाली आत्मिक प्रगति यात्रा कह सकते हैं।

जनसंख्या दबाव से गहराया कोरोना संकट

अनूप भटनागर

कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर की भयावहता और इसके सामने बौना साबित हुए हमारे चिकित्सकीय संसाधनों की वजह से अचानक ही हजारों नागरिकों की मौत ने एक बार फिर देश में जनसंख्या की विस्फोटक स्थिति की ओर ध्यान खींचा है। इसके बाद ब्लैक फंगस जैसी महामारी इशारा कर रही है कि अब देश में जनसंख्या नियंत्रण के बारे में गंभीरता से विचार करने और दीर्घकालीन नीति तैयार कर उस पर सख्ती से अमल करने की आवश्यकता है। जनसंख्या के अनुपात में देश में चिकित्सा सुविधाओं का नहीं होना, चिकित्सकों, परिचारकों और तकनीशियनों का अभाव तथा ग्रामीण अंचलों में प्राथमिकी स्वास्थ्य केन्द्रों की निष्क्रियता ने कोरोना की स्थिति को बद से बदतर बना दिया। राज्य सरकारों को भी राजनीतिक स्वार्थों से हटकर जन-कल्याण को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा संसाधनों में सुधार के लिये कमर कसनी होगी। हमारे संविधान ने जीने की आजादी, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता, बुनियादी शिक्षा और समता आदि का मौलिक अधिकार दिया है। न्यायपालिका ने इन मौलिक अधिकारों से संबंधित संविधान के अनुच्छेदों की व्याख्या करके इनका दायरा भी काफी व्यापक कर दिया है। अब इन अधिकारों में गरिमा के साथ देह त्यागना, देह का अंतिम संस्कार, सभी नागरिकों के लिये स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराना और निजता तथा न्याय तक पहुंच भी शामिल है। लेकिन, महामारी की भयावहता के दौरान शासकीय-प्रशासकीय अव्यवस्थाओं और उदासीनता की वजह से नागरिकों के अधिकांश मौलिक अधिकारों की अनदेखी हुई। चिकित्सा सुविधाएं और संसाधन इस महामारी के दौरान कसौटी पर खरे नहीं उतरे। इस चुनौती का सामना करने के लिये अपर्याप्त चिकित्सा संसाधन, अस्पतालों में आक्सीजन तथा दवाओं की भारी कमी की वजह से दम तोड़ते मरीज और समयबद्ध तरीके से टीकाकरण करने में सरकार की विफलता ने कई सवाल खड़े कर दिये हैं। यह सही है कि कोविड-19 की दूसरी लहर की भयावहता के मद्देनज़र भारत ही नहीं, इससे कम आबादी वाला भी कोई देश शायद ही इस पर प्रभावी तरह से काबू पाने में सफल होता। हालांकि, केन्द्र और राज्य सरकारों ने कोविड-19 संक्रमण जैसी महामारी से बचाव के लिये देश में टीकाकरण अभियान शुरू किया है, लेकिन टीकों की मांग और आबादी को देखते हुए इन्हें एक निश्चित समय के भीतर पूरा करना असंभव ही नहीं, नामुमकिन लगता है। अब समय आ गया है कि महामारी पर काबू पाने के बाद सरकार को जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में कदम उठाने पड़ेंगे। निश्चित ही सरकार को बहुत सोच-विचार के इस दिशा में कदम उठाने की आवश्यकता है क्योंकि ऐसी चुनौतियों से निपटने के लिये देश के मौजूदा संसाधन अपर्याप्त हैं। केन्द्र और राज्य सरकारें अगर मिलकर भी टीकाकरण अभियान चलायें तो 18 साल तक की आयु के नागरिकों को कोरोना की वैक्सीन लगाने का काम पूरा होने में दो से तीन साल लग सकते हैं। अव्यवस्था का दुष्परिणाम है कि कोरोना संक्रमण से निपटने के प्रयासों में गंभीर मरीजों के लिए राज्यों को मुहैया कराये गये वेंटिलेटर्स अस्पतालों में लगाये ही नहीं गए और जहां लग गए वहां उन्हें कोई चलाना नहीं जानता था। केन्द्र और राज्य सरकारों ने इनकी आपूर्ति के बाद यह जानने का भी प्रयास नहीं किया कि क्या ये उपकरण काम कर रहे हैं। देश में निजी अस्पतालों का वर्चस्व है लेकिन इनमें से किसी के पास भी अपना ऑक्सीजन संयंत्र नहीं है। नतीजा, अचानक ही जब इस महामारी ने बड़ी संख्या में

मरीजों को अपनी चपेट में लिया तो सरकारी और निजी अस्पतालों में ऑक्सीजन संकट पैदा हो गया। केन्द्र सरकार को देश में उपलब्ध ऑक्सीजन एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिये क्रायोजेनिक कंटेनर आयात करने पड़े। बड़ी संख्या में ऑक्सीजन कॉन्सेन्ट्रेटर मंगाये गये। कोरोना की पहली लहर में दुनिया का नेतृत्व करने वाले भारत की स्थिति दयनीय हो गयी तो तमाम देश भारत की मदद के लिए दौड़े। कोरोना वायरस महामारी से निपटने के प्रयासों के बीच राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने पिछले साल अप्रैल में ही बढ़ती जनसंख्या और इसकी वजह से सामने आ रही दिक्कतों का जिक्र किया था। बढ़ती जनसंख्या और सीमित संसाधनों की समस्या को लेकर करीब पांच दशकों से चिंता व्यक्त की जाती रही है, लेकिन हर बार इसे सांप्रदायिकता का जामा पहनाने के प्रयास हुए। अब स्थिति यह हो गयी है कि देश की जनसंख्या ने विस्फोटक रूप ले लिया है और संसाधनों की कमी की वजह से एक बड़ा वर्ग महानगरों तथा बड़े शहरों में मलिन बस्तियों और झुग्गी-झोपड़ी बस्तियों में तंगहाली में जिंदगी गुजारता है। कोरोना काल में लॉकडाउन होने पर रोजगार की समस्या पैदा हुई तो इन्हीं बस्तियों में रहने वाले कामगारों ने अपने अपने गृह नगरों की ओर कूच किया। कोई नहीं जानता कि इनमें से कितने कोरोना संक्रमित थे। कामगारों के सामूहिक पलायन से कोरोना संक्रमण से बचाव के दिशा-निर्देशों की धज्जियां उड़ गयी थीं। राष्ट्रपति के कथन में ही यह संदेश छिपा था कि ऐसा नहीं होने की स्थिति में हमारे देश में कोरोना जैसी आपदाओं के भीषण परिणाम हो सकते हैं क्योंकि राज्यों के दूर-दराज के गांवों तक तत्परता के साथ चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाना बहुत बड़ी चुनौती होगी। उम्मीद है कि बढ़ती आबादी के कारण कोरोना संक्रमण की महामारी से निपटने के दौरान आयी दिक्कत देश के नीति निर्धारकों और राजनीतिक दलों के नेताओं को देश के सीमित संसाधनों के सही उपयोग की दिशा में सकारात्मक सोच को जन्म देंगी।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ के योग हैं।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। जारी प्रयास सार्थन होगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है।

कर्क पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मैत्री संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। पड़ोसी या अधीनस्थ कर्मचारी से विवाद हो सकता है। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कन्या पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा और उससे प्रगति भी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी में सौम्यता बनाये रखे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। मकान या सम्पत्ति के मामले में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शासन सत्ता या घर के मुखिया के कारण तनाव मिल सकता है। देशाटन या व्यावसायिक यात्रा फलीभूत होगी। निजी संबंध मधुर होंगे। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

धनु शासन सत्ता का लाभ मिलेगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। षड्यंत्र की आशंका है। कोई सुखद समाचार मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। स्थानान्तरण या अन्य व्यावसायिक लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग की संभावना है। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें, कर्ज की स्थिति आ सकती है।

बजाज इलेक्ट्रिकल्स को मार्च तिमाही में 54.26 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा

नयी दिल्ली, बजाज इलेक्ट्रिकल्स ने मंगलवार को कहा कि 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के दौरान उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 54.26 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले साल कंपनी को चौथी तिमाही में 81 लाख रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी ने बंबई शेयर बाजार को भेजी नियामकीय सूचना में कहा कि जनवरी से मार्च 2021 की अवधि में परिचालन से उसका कुल राजस्व 1,258.47 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की इसी अवधि में हासिल राजस्व 1,300.66 करोड़ रुपये के मुकाबले यह राशि 3.24 प्रतिशत कम रही है। कंपनी की उपभोक्ता उत्पाद श्रेणी में कुल 975 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया गया जबकि एक साल पहले इस श्रेणी में कंपनी ने 747 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। इस श्रेणी में कंपनी का कारोबार आलोच्य अवधि में 30.6 प्रतिशत बढ़ गया। इसी प्रकार बजाज इलेक्ट्रिकल्स के इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) वर्ग में 283 करोड रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि पिछले साल इस वर्ग में कंपनी ने 554 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। इस वर्ग में कारोबार 48.9 प्रतिशत घट गया। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शेखर बजाज ने कहा कि जिंस मूल्यों में तीव्र वृद्धि और कुल मिलाकर मांग धारणा कमजोर रहने के बावजूद चौथी तिमाही के दौरान उपभोक्ता उत्पाद कारोबार का प्रदर्शन बेहतर रहा है। एक अन्य सूचना में बजाज इलेक्ट्रिकल्स ने कहा है कि उसके निदेशक मंडल ने स्टरलाइट लाइटिंग लिमिटेड का खुद में विलय करने की योजना पर विचार किया और इसे मंजूरी दे दी। विलय योजना राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण की मंजूरी सहित आवश्यक सांविधिक और नियामकीय मंजूरियों, कंपनियों के शेयरधारकों और रिणदाताओं की मंजूरी पर निर्भर करेगी।

रुपया 19 पैसे की बढ़त के साथ 72.77 प्रति डॉलर पर

मुंबई: विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा में कमजोरी के रुख के बीच मंगलवार को रुपया 19 पैसे की बढ़त के साथ 72.77 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 72.85 प्रति डॉलर पर मजबूत खुला। कारोबार के दौरान यह 72.75 प्रति डॉलर के उच्चस्तर तक गया। इसने 72.87 प्रति डॉलर के निचले स्तर तक भी गया। अंत में रुपया पिछले बंद स्तर की तुलना में 19 पैसे की बढ़त के साथ 72.77 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। सोमवार को रुपया 72.96 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी मुद्रा का रुख दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 89.61 पर आ गया।

दिल्ली हवाईअड्डे पर एक महीने में उतरी 100 कोविड राहत उड़ानें

मुंबई: जीएमआर समूह के परिचालन वाले दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पिछले एक माह के दौरान 100 कोविड-19 राहत उड़ानें उतरी हैं। इन उड़ानों के जरिए 36 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से 1,750 टन राहत सामग्री आई है। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा लि. (डायल) ने मंगलवार को बयान में कहा कि महामारी की दूसरी लहर के दौरान हवाईअड्डे पर दुनियाभर से आने वाली चिकित्सा राहत का बेहतर तरीके से प्रबंधन सुनिश्चित किया गया। देश का सबसे व्यस्त हवाईअड्डा दक्षिण एशिया क्षेत्र का सबसे बड़ा कार्गो हब हवाईअड्डा है। इसके दो एकीकृत कार्गो टर्मिनल की सालाना क्षमता 18 लाख टन की है जिसे 23 लाख टन तक बढ़ाया जा सकता है। डायल ने कहा कि मंगलवार को हवाईअड्डे पर 100वीं राहत उड़ान उतरी। घरेलू हवाईअड्डों में यह संख्या सबसे अधिक है। बयान में कहा गया है कि 27 अप्रैल से 25 मई के दौरान दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर 100 कोविड-19 राहत उड़ानों के जरिए 1,750 टन राहत सामग्री आई। 100वीं उड़ान मंगलवार को रूस से आई। इसमें 10 टन चिकित्सा राहत सामग्री थी।

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 500 अरब बढ़कर 3,000 अरब डॉलर पहुंचा

बिजनेस डेस्क: प्रमुख शेयर बाजार बीएसई ने सोमवार को एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। उसके मंच पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण सोमवार को पहली बार 3,000 अरब डॉलर पहुंच गया। दो दशक से भी कम समय में शेयर बाजार 125 अरब डॉलर से 3,000 अरब डॉलर का मुकाम हासिल किया। कारोबार समाप्त होने पर बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2,18,94,202.30 करोड़ रुपए (3,000 अरब डॉलर) रहा। कारोबार के दौरान, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 219 लाख करोड़ रुपए के ऊपर निकल गया था। मार्च 2002 में बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 125 अरब डॉलर था जो तीन साल से अधिक समय में अगस्त 2005 में 500 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचा था। महामारी की चिंता के बावजूद बाजार पूंजीकरण 16 दिसंबर 2020 को 2500 अरब डॉलर पहुंचा। सोमवार को यह केवल 159 दिन में 3000 अरब डॉलर के स्तर को प्राप्त कर लिया। एक्सचेंज में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 28 मई, 2007 को 1,000 अरब डॉलर पर पहुंचा था। उल्लेखनीय है कि 1,000 अरब डॉलर से 1,500 अरब डॉलर का स्तर बीएसई ने 2,566 दिनों यानी सात साल से अधिक समय में 6 जून, 2014 को हासिल किया था। बीएसई के कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 10 जुलाई, 2017 को 2,000 अरब डॉलर पहुंचा था यानी 1,500 अरब डॉलर से 2,000 अरब डॉलर स्तर पर पहुंचने में 1,130 दिन का समय लगा जबकि 2,500 अरब डॉलर के स्तर को हासिल करने में 1,255 दिन लगे और यह स्तर 16 दिसंबर, 2020 को हासिल किया गया। अब सोमवार यानी 24 मई, 2021 को 3,000 अरब डॉलर के स्तर के हासिल कर लिया यानी केवल 159 दिन में यह उपलब्धि हासिल की गई। यह दिलचस्प है कि बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकर 1,000 अरब डॉलर से 3,000 अरब डॉलर पहुंचने में 14 साल लगे।

कोविड राहत के लिए दो एनजीओ को 26 करोड़ रुपये का अनुदान देगी ओमिड्यार

मुंबई,

ओमिड्यार नेटवर्क इंडिया ने कोविड राहत कार्य के लिए 26 करोड़ रुपये का अनुदान देने की घोषणा की है। लोगों के जीवन को प्रभावित करने वाले उद्यमों में निवेश करने वाली ओमिड्यार नेटवर्क यह राशि दो गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) को प्रदान करेगी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि ओमिड्यार कोविड राहत में उनके प्रयासों के लिए गिव फाउंडेशन को 13 करोड़ रुपये और यूनाइटेड वे बेंगलुरु को 13 करोड़ रुपये का अनुदान देगी। गिव फाउंडेशन इस राशि का इस्तेमाल संस्थानों, स्वास्थ्य सेवा कर्मियों और कार्यकर्ताओं की क्षमता बढ़ाने पर करेगी। वहीं यूनाइटेड वे देशभर में ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर्स का वितरण करेगी और ऑक्सीजन संयंत्र लगाएगी तथा टेलीमेडिसिन के जरिये अस्पतालों की भीड़भाड़ को कम करेगी। ओमिड्यार की प्रबंध निदेशक रूपा कुडवा ने कहा कि दोनों ही संगठनों महामारी से संघर्ष में कोष के प्रभावी इस्तेमाल की क्षमता दिखाई है। ''उनके साथ भागीदारी के जरिये हम दूसरी लहर से प्रभावित लोगों की मदद की उम्मीद कर रहे हैं।''

मॉर्डना का दावा- 12-17 वर्ष के बच्चों पर 96 प्रतिशत प्रभावी है वैक्सीन

(एजेंसी):

कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर की चेतावनी के बीच वैक्सीन बनाने वाली अमेरिकी कंपनी मॉर्डना ने दावा किया है कि उसकी वैक्सीन 12 से 17 वर्ष की उम्र के बच्चों पर 96त्न प्रभावी है और कोई गंभीर मामला सामने नहीं आया है। कंपनी ने 3,235 बच्चों पर शुरूआती ट्रायल किया, जिसमें से 12 बच्चे कोरोना संक्रमित पाए गए। इसके अलावा कोई अधिक जानकारी निकलकर सामने नहीं आई है। कंपनी ने बताया कि बच्चों में कोरोना की संक्रमण दर कम है। कंपनी ने बताया कि टीका लगने के बाद साइड इफैक्ट में दर्द, सिरदर्द, थकान और ठंड लगने की संभावना है। मॉडर्ना ने कहा कि वह नियामकों के साथ अपने किशोर डेटा पर चर्चा कर रही है। कंपनी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की मंजूरी के लिए तैयारी कर रही है। कंपनी ने बताया कि 6 महीने से 11 साल की उम्र के बच्चों पर भी टीके का ट्रायल जारी है।

सेंसेक्स में दो दिन की तेजी पर विराम, मुनाफावसूली के कारण बाजार स्थिर बंद

मुंबई (एजेंसी).

बीएसई में पिछले दो कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर मंगलवार को अंकुश लग गया और सेंसेक्स नाम-मात्र की गिरावट के साथ लगभग पिछले स्तर पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर मजबूत रुख और कोविड-19 संक्रमण के मामले में कमी के बावजूद एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी लि. और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे शेयरों में मुनाफासूली से बाजार में गिरावट आयी। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 14.37 यानी 0.03 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 50,637.53 पर बंद हुआ। दूसरी तरफ, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 10.75 यानी 0.07 प्रतिशत की हल्की बढ़त के साथ 15,208.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक 2.02 प्रतिशत की गिरावट एचडीएफसी बैंक में आयी। इसके अलावा एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी और आईटीसी समेत अन्य शेयरों में गिरावट रही। दूसरी तरफ, जिन शेयरों में सर्वाधिक तेजी रही, उसमें एशियन पेंट्स सबसे ऊपर है। इसमें 3.38 प्रतिशत की तेजी आयी। इसके अलावा टाइटन, बजाज फिनसर्व, ओएनजीसी, इन्फोसिस, टीसीएस और पावरग्रिड समेत अन्य शेयर लाभ में रहे। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 21 लाभ में जबकि नौ नुकसान में रहे। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा, ''घरेलू शेयर बाजार सीमित दायरे में रहे। बैंक और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में पिछले दो दिनों की जोरदार तेजी के बाद मुनाफावसूली की गयी। जबकि अन्य शेयर सकारात्मक दायरे में रहे।'' उन्होंने कहा कि धातु शेयरों में दो दिन की गिरावट के बाद तीव्र सुधार देखने को मिला। इस क्षेत्र की कंपनियों के चौथी तिमाही के वित्तीय परिणाम बेहतर रहने और आने वाली तिमाहियों में स्थिति बेहतर रहने के संकेत से निवेशकों की रूचि फिर से बढ़ी है। हालांकि मोदी ने कहा कि निवेशकों की नजर कोविड-19 संक्रमितों की दैनिक संख्या पर होगी। इसके अलावा टीकाकरण की गति तथा राज्यों द्वारा अगले सप्ताह से 'लॉकडाउन' में ढील की उम्मीद पर निगाह होगी। पाबंदियों में ढील से बाजार को गति मिलनी चाहिए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को सुबहर जारी आंकड़े के अनुसार पिछले 24 घंटे में देश में 41 दिनों बाद 24 घंटे में कोविड-19 के दो लाख से कम 1,96,427 नए मामले सामने आये। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, हांगकांग, सोल और तोक्यो बढ़त में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी शुरूआती कारोबार में तेजी का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 68.03 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 19 पैसे मजबूत होकर 72.77 पर पहुंच गया। शेयर बाजार के पास उपलब्ध आंकड़े के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक सोमवार को पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल रहें। उन्होंने 585.36 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 1 करोड़ रसोई गैस कनेक्शन देगी मोदी सरकारी

(एजेंसी):

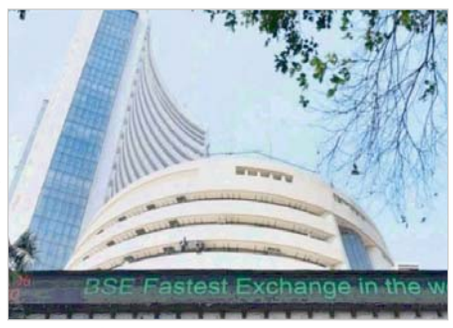

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अगले चरण की प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) की रूपरेखा को अंतिम रूप दे दिया है। अगले महीने इस योजना को शुरू किए जाने की उम्मीद है। इस चरण में केंद्र सरकार का लक्ष्य कम आय वर्ग वाले परिवारों को 1 करोड़ रसोई गैस (एलपीजी) कनेक्शन देना है। इस मामले से जुड़े एक अधिकारी ने कहा कि यह योजना मौजूदा पीएमयूवाई की तरह की होगी और इस योजना के लाभार्थी भी मौजूदा श्रेणी के होंगे। तेल मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया, योजना की रूपरेखा तैयार है लेकिन कोविड-19 महामारी की वजह से इसे लागू करने में देरी हो रही है। पीएमयूवाई के तहत योजना के लाभार्थी के घर जाकर जांच करनी होती है, ऐसे में संक्रमण का ज्यादा जोखिम है। हम जून तक इस योजना को शुरू किए जाने की उम्मीद कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा, पीएमयूवाई योजना पहले जैसी ही बनी रहेगी। पीएमयूवाई योजना के तहत लाभार्थी को नया रसोई गैस कनेक्शन लेने के लिए केंद्र सरकार 1,600 रुपए देती है। लाभार्थी गैस चूल्हे की लागत वहन करता है और पहली रिफिल खरीदता है। इसे सुगम बनाने के लिए तेल विपणन कंपनियां लाभार्थी को ब्याज रहित कर्ज देती हैं। कर्ज वाली राशि की भरपाई तेल कंपनियां लाभार्थी द्वारा गैस सिलेंडर भराने पर मिलने वाली सब्सिडी से करती हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फरवरी, 2021 के बजट में मौजूदा 8 करोड़ लाभार्थियों के अतिरिक्त 1 करोड़ और लोगों को पीएमयूवाई का लाभ देने की घोषणा की थी। इस तरह से देश में रसोई गैस के कुल उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2022 तक 30 करोड़ के करीब हो जाएगी। इस समय 20.72 करोड़ गैर पीएमयूवाई रसोई गैस उपभोक्ता हैं। पहले यह उम्मीद की गई थी कि चुनाव आयोग की आदर्श आचार संहिता हटने के बाद पीएमयूवाई योजना पेश की जाएगी। पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुदुच्चेरी में चुनाव को देखते हुए आचार संहिता 26 फरवरी से 4 मई के बीच लागू थी लेकिन आचार संहिता हटने के साथ ही कोविड की दूसरी लहर आ गई और इसकी वजह से केंद्र सरकार को बजट में की गई इस घोषणा को लागू करने की तिथि आगे बढ़ानी पड़ी। लोकप्रिय पीएमयूवाई को इस साल लागू करना इसलिए भी अहम है क्योंकि उत्तर प्रदेश के अहम विधानसभा चुनाव 2022 की शुरुआत में होने को हैं। उत्तर प्रदेश में पहले ही इस योजना के तहत सबसे ज्यादा सिलेंडर दिए गए हैं और पूरे देश में करीब 1.5 करोड़ लाभार्थियों को फायदा पहुंचा है। पश्चिम बंगाल और बिहार क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। उत्तर प्रदेश के अलावा गोवा, मणिपुर, पंजाब और उत्तराखंड में भी फरवरी-मार्च 2022 में चुनाव होने को हैं। कोविड-19 की पहली लहर में कम आय वर्ग के परिवारों को सहायता देने के लिए केंद्र सरकार ने आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत पीएमयूवाई के लाभार्थियों को 3 सिलेंडर रिफिल मुफ्त देने की घोषणा की थी। इससे खजाने पर 9,670.41 करोड़ रुपए का बोझ पड़ा था।

राज्यों को बाजार पर कम ब्याज पर मिल रहा है कर्ज, औसत ब्याज दर घटकर 6.74 प्रतिशत पर आई

मुंबई (एजेंसी).

राज्यों की ओर से बाजार से जुटाए जाने वाले कर्ज की लागत अब कम होने लगी है। राज्य अब बड़ी राशि के लिये नहीं उतर रहे हैं और पहले दिए गए सकेतों की तुलना में कम कर्ज उठा रहे हैं। सोमवार को राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों की नीलामी में औसत भारित ब्याज दर 0.18 अंक घटकर 6.74 प्रतिशत रह गई। पिछले सप्ताह नीलामी 6.92 प्रतिशत के स्तर पर हुई थी। रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री आदिति नायर द्वारा किये गये विश्लेषण के अनुसार, सोमवार के स्तर पर यदि देखा जाये तो सरकारी प्रतिभूतियों (जी सेक) और राज्य विकास रिण के बीच ब्याज दर का अंतर 77 पैसे है जो ऊंचा बना हुआ है। राज्यों के लिये जहां औसत दर 6.74 प्रतिशत रही जबकि केन्द्र सरकार को 10 साल के बॉड पर पर कर्ज 5.97 प्रतिशत वार्षिक पर मिला। सोमवार को हुई प्रतिभूति नीलामी में छह राज्यों ने 11,500 करोड़ रुपये बाजार से जुटाये जबकि ऐसा संकेत था कि राज्य सरकारें 14,600 करोड़ रुपये बाजार से उठा सकतीं हैं। जुटाई गई राशि एक साल पहले के मुकाबले 37 प्रतिशत कम है जबकि इस सप्ताह के लिये जो संकेत दिया गया था उसके मुकाबले यह 21.2 प्रतिशत कम रही है। इस वित्त वर्ष में अब तक हुये आठ साप्ताहिक नीलामियों में से जो सांकेतिक राशि बताई गई थी उसके मुकाबले वास्तविक निर्गम कम रहा है। नायर ने कहा कि इस दौरान कुल मिलाकर 59,700 करोड़ रुपये की प्रतिभूतियां जारी की गईं जबकि सालाना आधार पर इस अवधि के लिये 1,07,300 करोड़ रुपये का संकेत दिया गया था। सोमवार को हुई नीलामी में कर्ज उठाव में भारी कमी आई। इस दौरान गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की सरकारें इस संकेत के बावजूद की वे 9,600 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही हैं, बाजार में उतरी ही नहीं। वहीं बिहार, केरल, सिक्किम ने मिलकर 4,000 करोड़ रुपये उठाये वहीं महाराष्ट्र, राजस्थान और तमिल नाडु ने मिलकर 2,500 करोड़ रुपये कर्ज उठाया। इसमें औसत कर्ज अवधि एक सप्ताह पहले के 19 साल से घटकर 13 साल की रही और औसत भारित बयाज दर भी राज्यों के लिये 6.92 प्रतिशत से घटकर 6.74 प्रतिशत रह गई।

बीते वित्त वर्ष में गुजरात को सबसे ज्यादा 30.23 अरब डॉलर का एफडीआई मिला

अहमदाबाद (एजेंसी).

गुजरात को बीते वित्त वर्ष 2020-21 में देश में सबसे ज्यादा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) मिला है। यह लगातार चौथा साल है जबकि गुजरात देश में सबसे ज्यादा एफडीआई हासिल करने वाला राज्य रहा है। राज्य सरकार ने मंगलवार को बयान में यह जानकारी दी। देश में बीते वित्त वर्ष में आए कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में गुजरात का हिस्सा 37 प्रतिशत का रहा है। बयान के अनुसार, 2020-21 में देश में कुल 81.72 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया। इसमें गुजरात का हिस्सा 30.23 अरब डॉलर रहा। गुजरात लगातार चौथे साल सबसे ज्यादा एफडीआई पाने वाला राज्य रहा है। बयान में कह गया है कि कोरोना वायरस महामारी के बावजूद राज्य एफडीआई के मामले में शीर्ष स्थान पर कायम रहा है।

बयान के अनुसार, 2020-21 में राज्य में आए कुल एफडीआई में से 94 प्रतिशत कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर क्षेत्र को मिला। देशभर में इस क्षेत्र को मिले कुल एफडीआई में से अकेले 78 प्रतिशत गुजरात को प्राप्त हुआ। एफडीआई हासिल करने के मामले में 27 प्रतिशत के साथ महाराष्ट्र दूसरे और 13 प्रतिशत के साथ कर्नाटक तीसरे स्थान पर रहा। गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने कहा है कि पारदर्शी संचालन, उद्योग अनुकूल नीतियों तथा राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की वजह से निवेशक प्रदेश में निवेश करना चाहते हैं।

इमामी का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में 3 गुणा से अधिक बढ़कर 87.73 करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली (एजेंसी):

स्वास्थ्य देखभाल, सौंदर्य प्रसाधन उत्पाद बनाने वाली कंपनी इमामी लिमिटेड ने मंगलवार को बताया कि 31 मार्च 2021 को समाप्त चौथी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले तीन गुणा से अधिक बढ़कर 87.73 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इससे पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी ने 22.75 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। इमामी ने नियामकीय सूचना में कहा है कि जनवरी से मार्च 2021 की अवधि में परिचालन से उसका राजस्व 37.2 प्रतिशत बढ़कर 730.76 करोड़ रुपए पर पहुंच गया जो कि एक साल पहले इसी अवधि में 532.68 करोड़ रुपए रहा था। इमामी ने कहा कि स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता के उत्पादों पर ध्यान बढ़ने से मांग में आए सुधार के चलते कंपनी को सभी ब्रांड, विभिन्न श्रृंखलाओं और कारोबार में जनवरी से मार्च 2021 के दौरान अच्छी वृद्धि हासिल हुई है।

इमामी के निदेशक मोहन गोयनका ने कहा कि मार्च में समाप्त चौथी तिमाही के दौरान कंपनी का घरेलू कारोबार 44 प्रतिशत और अंतरराष्ट्रीय कारोबार 28 प्रतिशत बढ़ा है और हमें उम्मीद है कि हम तिमाही- दर तिमाही अपनी बिक्री और मुनाफे में सुधार लाते रहेंगे। इमामी के निदेशक हर्ष वी अग्रवाल ने कहा आलोच्य तिमाही के दौरान कंपनी के सभी प्रमुख ब्रांड में 30 प्रतिशत से अधिक वृद्धि रही है। इसमें भी स्वास्थ्य देखभाल उत्पादों का प्रदर्शन सबसे ऊपर रहा है।

मार्च में ESIC योजना से जुडे 12.24 लाख नए सदस्य

(एजेंसी):

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा योजना से मार्च में 12.24 लाख नए सदस्य जुड़े। ये आंकड़े देश में संगठित क्षेत्र में रोजगार के परिदृश्य को दर्शाते हैं। इससे पिछले महीने यानी फरवरी में इस योजना से 11.77 लाख नए सदस्य जुड़े थे। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार बीते वित्त वर्ष यानी 2020-21 में ईएसआईसी से जुड़ने वाले सदस्यों की संख्या करीब 24 प्रतिशत घटकर 1.15 करोड़ रह गई। 2019-20 में यह आंकड़ा 1.51 करोड़ रहा था। ताजा आंकड़े राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी रिपोर्ट का हिस्सा हैं। जून, 2020 में कर्मचारी राज्य बीमा निगम से 8.87 लाख नए सदस्य जुड़े थे। पिछले साल मई में यह संख्या 4.89 लाख और अप्रैल में 2.63 लाख थी। आंकड़ों से पता चलता है कि लॉकडाउन में ढील के बाद ईएसआईसी से जुड़ने वाले अंशधारकों की संख्या में सुधार हुआ है। जुलाई, 2020 में इस योजना से 7.63 लाख नए सदस्य जुड़े थे। अगस्त में यह आंकड़ा और सुधरकर 9.5 लाख पर पहुंच गया। सितंबर में यह बढ़कर 11.58 लाख और अक्टूबर में 12.13 लाख हो गया। नवंबर, 2020 में हालांकि यह घटकर 9.58 लाख पर आ गया। दिसंबर, 2020 में यह 12.33 लाख पर पहुंच गया। उसके बाद जनवरी में यह घटकर 11.84 लाख और फरवरी में 11.77 लाख पर आ गया। एनएसओ की रिपोर्ट के अनुसार 2018-19 में ईएसआईसी से 1.49 करोड़ नए अंशधारक जुड़े थे। सितंबर, 2017 से मार्च, 2018 के दौरान ईएसआईसी योजना से 83.35 लाख नए अंशधारक जुड़े। सितंबर, 2017 से मार्च, 2021 की अवधि में ईएसआईसी से करीब 5 करोड़ नए सदस्य जुड़े हैं। यह रिपोर्ट ईएसआईसी, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) और पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजना के नए अंशधारकों से संबंधित रोजगार के आंकड़ों पर आधारित है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

पंजाब किंग्स कोविड मरीजों की मदद के लिए आया आगे, उपलब्ध करवाएगा ऑक्सीजन कन्सेंट्रेटर

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम पंजाब किंग्स ने भी कोविड-19 से प्रभावित लोगों को आक्सीजन कन्सेंट्रेटर उपलब्ध कराने के लिए निजी संस्था राउंड टेबल इंडिया (आरटीआई) और लोगों से धन एकत्रित करने वाले मंच कीटो.ओआरजी के साथ हाथ मिलाया है। आईपीएल फ्रेंचाइजी ने बताया कि पंजाब किंग्स आक्सीजन कन्सेंट्रेटर खरीदने के लिए धनराशि देगा। इन आक्सीजन कन्सेंट्रेटर को बाद में रोगियों को उपलब्ध कराया जाएगा। पंजाब किंग्स की तरफ से कहा गया है कि आरटीआई यह सत्यापित करेगा कि किस रोगी को उसके घर पर या धर्मार्थ चिकित्सा संस्थान के जरिए आक्सीजन कन्सेंट्रेटर दिया जाएगा। वापसी पर कन्सेंट्रेटर को अगले रोगी को देने से पहले साफ और कीटाणुरहित किया जाएगा।इस संकट से उबरने के बाद इन मशीनों को अस्पतालों को दान कर दिया जाएगा जहां अस्थमा और सांस संबंधी रोगियों के लिये इनकी जरूरत पड़ेगी।

एशियाई मुक्केबाजी में थापा और हुसामुद्दीन ने जीत के साथ की शुरुआत

दुबई (एजेंसी)।

भारतीय मुक्केबाजों शिव थापा (64 किग्रा) और मोहम्मद हुसामुद्दीन (56 किग्रा) ने यहां अपने एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप अभियान की शुरुआत जीत के साथ की है, जबकि सुमित सांगवान (81 किग्रा) पहले की दिन टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स के कांस्य पदक विजेता हुसामुद्दीन ने सोमवार को अपने शुरुआती मुकाबले में कजाकिस्तान के मखमुद सबिरखान, जबकि 2013 के एशियाई चैंपियन थापा ने किर्गिस्तान के दिमित्री पुचिन को हराया। दोनों ने अपना-अपना शुरुआती मुकाबला 5-0 से जीत कर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) एवं यूएई मुक्केबाजी महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल मुकाबले आज खेले जाने हैं, जिसमें 56 किग्रा श्रेणी में हुसामुद्दीन का सामना मौजूदा विश्व चैंपियन एवं टॉप सीड मीराजिजबेक मिरजाहालिलोव से होगा। वहीं थापा कुवैत के नाडेर ओडाह से भिड़ेंगे। थापा और हुसामुद्दीन के अलावा मंगलवार को विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता सिमरनजीत कौर (60 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), जस्मीन (57 किग्रा) और संजीत (81 किग्रा) भी क्वार्टरफाइनल खेलेंगे। ओलंपिक टिकटधारी सिमरनजीत कौर 60 किग्रा श्रेणी में उज्बेकिस्तान की रेखोना कोदिरोवा से भिड़ेंगी, जबकि दो बार की युवा विश्व चैंपियन साक्षी का सामना ताजिकिस्तान की रूहाफ्जो हकाजारोवा से होगा। सुमित सांगवान (81 किग्रा) सोमवार को अपने शुरुआती दौर के मैच में ईरान के मेयसम घेशलाघी से 5-0 से हार गए थे। संजीत क्वार्टरफाइनल में ताजिकिस्तान के जाखोन कुर्बोनोव के सामने होंगे।

कोरोना महामारी के बाद यह पहली अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी प्रतियोगिता है, जिसमें भारत, उज्बेकिस्तान, फिलीपींस और कजाकिस्तान समेत 17 देशों के 150 मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं। एशियाई चैंपियनशिप में भारत का अब तक का सबसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बैंकॉक में 2019 के पिछले सत्र में देखने को मिला था, जहां उसने दो स्वर्ण सहित 13 पदक जीते थे।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इस हफ्ते मिल सकती है टी-20 विश्व कप की पुरस्कार राशि

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया में आठ मार्च 2020 को हुए महिला टी20 विश्व कप में उपविजेता बनने के लगभग 15 महीने बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम आखिरकार पुरस्कार राशि प्राप्त करने के लिए तैयार है। टीम को इस हफ्ते के अंत तक टी-20 विश्व कप के उपविजेता को मिलने वाली 5 लाख अमेरीकी डालर यानी लगभग 3.5 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि मिलने की उम्मीद है। इस संबंध में बीसीसीआई ने सोमवार को खिलाड़ियों से अपना हिस्सा प्राप्त करने के लिए बिल जुटाने को कहा है। समझा जाता है कि ब्रिटेन के एक समाचार पत्र टेलीग्राफ की ओर से टी-20 विश्व कप की उपविजेता भारतीय टीम को अब तक पुरस्कार राशि का भुगतान न किए जाने के खुलासे के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से यह स्पष्टीकरण सामने आया है। समाचार पत्र ने यह भी कहा है कि विश्व कप की विजेता ऑस्ट्रेलिया सहित अन्य टीमों को टूर्नामेंट समाप्त होने के तुरंत बाद पुरस्कार राशि दे दी गई थी। जानकारी के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने विश्व कप फाइनल के लगभग एक हफ्ते बाद ही बीसीसीआई को पुरस्कार राशि वितरित कर दी थी। बीसीसीआई अधिकारियों ने इस बारे में बताया कि उन्हें पुरस्कार राशि में हुई देरी के कारण के बारे में कोई जानकारी नहीं है। बीसीसीआई अधिकारी ने एक बयान में कहा, 'भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सदस्यों को इस हफ्ते के अंत तक पुरस्कार राशि का अपना हिस्सा मिलेगा। प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।% उल्लेखनीय है कि बीसीसीआई की ओर से सभी टीमों के खिलाड़ियों के भुगतान में तीन से चार महीने का समय लगता है, हालांकि पिछले साल कोरोना से बिगड़े हालात के कारण सभी भुगतानों में देरी हुई थी। समझा जाता है कि महिला खिलाड़ियों ने मार्च 2021 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीमित ओवरों की घरेलू श्रृंखला की मैच फीस के लिए अपने बिल जमा कर दिए हैं और भुगतान का इंतजार है।

फ्रेंच ओपन क्वालीफायर में जीती अंकिता रैना, ऑस्ट्रेलिया की एरिना को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना ने सोमवार को फ्रेंच ओपन के महिला एकल क्वालीफायर के पहले दौर के कड़े मुकाबले में अपने से बेहतर रैंकिंग वाली एरिना रोडियोनोवा को हराया। दुनिया की 182वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए रूस में जन्मीं ऑस्ट्रेलिया की खिलाड़ी एरिना को बारिश से प्रभावित तीन सेट चले मुकाबले में 3-6 6-1 6-4 से हराया। अंकिता ने साल के पहले ग्रैंडस्लैम आस्ट्रेलिया ओपन के क्वालीफायर के तीसरे दौर में जगह बनाई थी।

इंग्लैंड दौरे से पहले भारतीय पुरुष और महिला टीम बायो बबल में हुई शामिल

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान विराट कोहली, उप कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच रवि शास्त्री भी मंगलवार को इंग्लैंड के दौरे पर जाने वाली टीम के लिए तैयार किए जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में शामिल हो गए। इसके साथ ही भारत की पुरुष और महिला टीमों का आठ दिन का कड़ा पृथकवास भी शुरू हो गया। भारतीय महिला टीम की सदस्यों ने भी मुंबई में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के करीब स्थित ग्रैंड हयात में आठ दिन के कड़े पृथकवास में प्रवेश कर लिया है। सभी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के आरटी पीसीआर के तीन परीक्षण नेगेटिव आने के बाद दोनों टीमों के दो जून को इंग्लैंड रवाना होने की संभावना है। भारतीय पुरुष टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 जून से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलना है। इसके बाद टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी। महिला टीम को इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट, तीन वनडे और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने हैं।महिला टीम अपना अभियान 16 जून से शुरू करेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों ने बताया कि ऋद्धिमान साहा और प्रसिद्ध कृष्णा कोविड-19 से पूरी तरह उबरने पर दो दिन बाद बायो बबल में आएंगे। मुंबई में रहने वाले खिलाड़ी जैसे विराट, रोहित और

कोच शास्त्री बायो बबल में चले गए हैं। पता चला है कि खिलाड़ियों के परिवारों को अभी तक मंजूरी नहीं मिली है लेकिन बीसीसीआई को उम्मीद है कि जल्द ही ऐसा हो जाएगा। सूत्रों ने कहा कि हम खिलाड़ियों को तीन महीने तक अपने परिवारों से दूर नहीं रख सकते हैं और वह भी बायो बबल में। यह मानसिक स्वास्थ्य के लिये भी अच्छा नहीं है। टीमों के इंग्लैंड पहुंचने पर पृथकवास की अवधि को लेकर अब भी बातचीत चल रही है। इस अवधि को कम किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

कोविड-19 पॉजिटिव मिल्खा सिंह अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

चंडीगढ़ । भारत के महान धावक मिल्खा सिंह को सोमवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया जो कोविड-19 पॉजिटिव आने के बाद अपने घर में पृथकवास में थे। उनके बेटे और शीर्ष गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने कहा कि एहतियात के तौर पर उन्हें मोहाली में फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया। 91 साल के मिल्खा सिंह को बुधवार को कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया था जिसके बाद वह चंडीगढ़ में अपने घर में पृथकवास में थे। अस्पताल के सूत्रों ने कहा कि मिल्खा की हालत स्थिर है। जीव ने कहा कि उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। वह कमजोरी महसूस कर रहे थे और कल से कुछ नहीं खा रहे थे, इसलिए हमें उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। हालांकि उनके पैरामीटर (स्वास्थ्य संबंधित मापदंड) ठीक दिख रहे हैं, लेकिन हमने सोचा कि उन्हें भर्ती करना ही सुरक्षित होगा क्योंकि अस्पताल में वह सीनियर डॉक्टरों की निगरानी में रहेंगे। जीव अपने पिता के कोरोना पॉजिटिव आने के बाद शनिवार को दुबई से यहां पहुंचे। मिल्खा सिंह ने रिपोर्ट आने के बाद बताया था कि दो घरेलू सहायकों के वायरस से संक्रमित होने के बाद उनके परिवार ने जांच कराई। उन्होंने कहा था कि बुधवार को केवल मैं पॉजिटिव आया जिससे मैं हैरान हूं। उनकी पत्नी निर्मल कौर सहित परिवार के अन्य सदस्यों में कोई भी पॉजिटिव नहीं आया।

जांच के लिए सुशील कुमार को छत्रसाल स्टेडियम ले गयी पुलिस

नई दिल्ली। जूनियर पहलवान सागर धनकड़ी की हत्या मामले के आरोपी ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा के अधिकारी छत्रसाल स्टेडियम भी ले गये। इसका मकसद यह जानना था किन हालातों में यह सब हुआ। इससे पहले सुशील कुमार और उसके एक साथी अजय को दिल्ली के मुंडका से रविवार को गिरफ्तार किया गया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ''मामले की जांच कर रही पुलिस की अपराध शाखा के अधिकारियों का दल जांच के सिलसिले में छत्रसाल स्टेडियम गया था। घटना वाले दिन अपराध किन परिस्थितियों में हुआ यह जानने के लिए तथा अपराध दृश्य का रीक्रिएशन (पुनर्रचना) करने के लिए सुशील कुमार को भी घटनास्थल पर ले जाया गया।'' सुशील से सोमवार को भी करीब चार घंटे तक पूछताछ चली थी। अधिकारियों ने बताया कि वे इस मामले की जांच अलग कोण से कर रहे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने पहले बताया था कि कुमार से घटनाक्रम का पता लगाने के लिए सवाल किए गए, किन हालात में अपराध हुआ यह जानने का प्रयास किया गया और घटना के बाद वह कहां-कहां गए, यह पूछा गया।अधिकारी ने बताया था, ''सुशील कुमार से साथियों बारे में सवाल किए गए जिन्होंने घटना के बाद छिपने में उसकी मदद की।'' गौरतलब है कि चार और पांच मई की रात को छत्रसाल स्टेडियम में सुशील और उनके सहयोगियों के कथित हमले में 23 वर्षीय पहलवान की मौत हो गई और उसके दो दोस्त घायल हो गए थे।

आईपीएल को लेकर आई बड़ी अपडेट, सितंबर के महीने में शुरू हो सकती है लीग

नई दिल्ली ।

निर्लंबित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के यूएई में 18 या 19 सितंबर से बहाल होने की उम्मीद है और तीन हफ्ते के समय के दौरान 10 दिन दो मुकाबले खेलने जा सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को को यह जानकारी दी। फाइनल का आयोजन नौ या 10 अक्टूबर को हो सकता है। लीग के सत्र के बाकी बचे 31 मैचों को पूरा करने के लिए तीन हफ्ते का समय पर्याप्त होगा। टूर्नामेंट का आयोजन बीसीसीआई, फ्रेंचाइजी और प्रसारणकर्ताओं जैसे सभी प्राथमिक हितधारकों के लिए फायदे की स्थिति होगी। जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में कोविड-19 संक्रमण के कई मामले आने के बाद आईपीएल को चार मई को निलंबित कर दिया गया था। अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया कि बीसीसीआई ने सभी हितधारकों के साथ बात की है और 18 से 20 सितंबर के बीच टूर्नामेंट दोबारा शुरू हो सकता है। 18 सितंबर को शनिवार और 19 सितंबर को रविवार है, संभावना है कि आप सप्ताहांत के दिन दोबारा लीग शुरू करना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि इसी तरह नौ या 10 अक्टूबर को फाइनल हो सकता है क्योंकि यह सप्ताहांत है। हम कार्यक्रम को अंतिम रूप दे रहे हैं और 10 दिन दो मुकाबले होंगे और बाकी सात दिन शाम को मैच होंगे। चार मुख्य मैच (दो क्वालीफायर, एक एलिमिनेटर और फाइनल) के साथ 31 मैच पूरे होंगे। भारतीय टीम का इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम टेस्ट 14 सितंबर को मैनचेस्टर में खत्म होगा और अगले दिन पूरी टीम (हनुमा विहारी और अभिमन्यु ईश्वरन को छोड़कर) को चार्टर्ड विमान के जरिए एक जैविक रूप से सुरक्षित माहौल से दूसरे में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। सूत्र ने कहा कि भारतीय टीम और इंग्लैंड के जो भी खिलाड़ी उपलब्ध होंगे वे एक ही चार्टर्ड विमान से मैनचेस्टर से दुबई पहुंचेंगे। इसी तरह वेस्टइंडीज के खिलाड़ी भी कैरेबियाई प्रीमियर लीग में खेलने के बाद पहुंचेंगे। ब्रिटेन और कैरेबिया से आने वाले खिलाड़ियों को तीन दिन के पृथकवास से गुजरना होगा। एक फ्रेंचाइजी के अधिकारी ने पुष्टि की कि इस संबंध में बीसीसीआई का पत्र मिला है। टीम अधिकारी ने कहा कि बीसीसीआई ने हमें टूर्नामेंट के लिए तैयार रहने को कहा है। हमें 15 से 20 सितंबर के बीच का समय दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की सीमित ओवरों की श्रृंखला को रद्द कर दिया गया है। बीसीसीआई ने सितंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला को रद्द करने का फैसला कया है जो टीम की टी20 विश्व कप की तैयारियों का हिस्सा थी।

क्रिप्टो कप शतरंज - फबियानों करूआना की वापसी सयुंक्त बढ़त बनाई

नई दिल्ली (निकलेश जैन)

चैम्पियन चैस टूर के सातवे पड़ाव 3 लाख 20 हजार डॉलर इनामी राशि वाले क्रिप्टो कप शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दिन के खेल के बाद प्ले ऑफ की तस्वीर कुछ साफ होते नजर आई , सबसे आगे चल रहे नीदरलैंड के अनीश गिरि को यूएसए के फबियानों करूआना नें पराजित करते हुए दिन के खेल खत्म होने के ठीक पहले पीछे छोड़ते हुए सयुंक्त पहले स्थान पर कब्जा जमा लिया । करूआना के अलावा उनके हमवतन हिकारु नाकामुरा और अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव सभी खिलाड़ी 10 राउंड के बाद 6.5 अंक बनाते हुए पहले स्थान पर पहुँच गए । करूआना नें दूसरे दिन के खेल मे रूस के इयान नेपोंनियची और अर्जेन्टीना के अलोन पीचोट को भी पराजित किया और दो मुकाबले ड्रॉ खेले । विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन आश्चर्यजनक तौर पर दूसरे दिन भी बहुत खास खेल नहीं दिखा सके और 3 अंक ही बना सके , यूएसए के लेवोन आरोनियन के खिलाफ हार से वह अभी शीर्ष 8 मे भी नहीं है , और प्ले ऑफ मे जगह बनाने के लिए उन्हे अंतिम दिन ज़ोर लगाना होगा । तीसरे दिन बचे हुए 5 राउंड के बाद 16 खिलाड़ियों मे से 8 प्ले ऑफ के लिए जगह बना पाएंगे ।

द्रविड़ ने कहा अपना स्वाभाविक खेल खेलो : पृथ्वी

नई दिल्ली। युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने हाल के दिनों में आईपीएल और विजय हजारे ट्राफी में बेहतर प्रदर्शन कर टीम में वापसी का प्रयास किया है। पृथ्वी के अनुसार द्रविड़ ने उन्हें अपना स्वभाविक खेल खेलने की सलाह दी। साथ ही कहा कि अपने खेल का आनंद लें। इस युवा बल्लेबाज ने कहा कि द्रविड़ का स्वभाव, बैकग्राउंड और खेलने का स्टाइल काफी अलग है। उनकी जिंदगी को लेकर सोच भी काफी अलग है। अंडर-19 विश्व कप से पहले भी हमने उनके साथ दो साल टूर किया था। उनके साथ अनुभव काफी अच्छा था। अंडर-19 में, इंग्लैंड में इंडिया ए की तरफ से हम उनके साथ खेले हैं। उन्हें पता है कि वो अलग हैं, लेकिन उन्होंने कभी भी हम पर कुछ थोपने या बदलने की कोशिश नहीं की। उन्होंने किसी की बल्लेबाजी में कोई बदलाव नहीं किया। वह मुझे भी बोलते थे कि मुझे मेरा स्वाभाविक गेम खेलना है, क्योंकि वह जानते थे कि अगर मैं पावरप्ले ओवरों में खेलूंगा तो इससे टीम को मदद मिलेगी। उन्होंने मुझे कभी मेरा गेम खेलने से नहीं रोका। पृथ्वी ने कहा, वह सिर्फ मानसिक चीजों पर काफी ज्यादा बात करते थे और गेम की रणनीति पर बात करते थे। अगर आप मैच में जा रहे हो तो कैसा रुख रखो। बैठक में रणनीति को लेकर थोड़ी बात होती थी।

कोहली के आक्रामक रवैये की न्यूजीलैंड के महान ऑलराउंडर ने की तारीफ

स्पोर्ट्स डेस्क ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली मैदान पर काफी आक्रामक दिखाई देते हैं। न्यूजीलैंड के महान ऑलराउंडर रिचर्ड हेडली ने कोहली के आक्रामक दृष्टिकोण पर कहा कि वह एक गर्वित व्यक्ति और एक भावुक क्रिकेटर हैं। हैडली ने कहा कि कोहली जब भी मैदान पर उतरते हैं तो उन पर काफी दबाव होता है लेकिन सफल होने की उनकी प्रबल इच्छा ने निश्चित रूप से वर्षों से उनकी मदद की है। हैडली ने बताया कि विभिन्न खिलाड़ी खेल में उच्चतम स्तर पर सफल होने के लिए अलग-अलग तरीके खोजते हैं और वह खिलाड़ियों को बीच में खुद को व्यक्त करते हुए देखना पसंद करते हैं। हेडली ने कहा, मैं विराट को बहुत ही भावुक और प्रतिस्पर्धी क्रिकेटर के रूप में देखता हूं जिसमें खुद और टीम के सफल होने की प्रबल इच्छा है। यह देखने में खुशी होती है कि वह एक गर्वित व्यक्ति और एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी है। उस पर जीतने का दबाव और भारी उम्मीदें हैं। लाखों लोग उसे मानते हैं जो उस पर बहुत दबाव डालता है। उन्होंने कहा, उच्चतम स्तर पर सभी खेल प्रतिस्पर्धा के बारे में हैं। यह मैच जीतने और अपने प्रतिद्वंद्वी पर लाभ हासिल करने के तरीके को ढूंढना है। उन्होंने कहा, हमेशा एक अच्छी लाइन होगी कि क्या किसी खिलाड़ी या टीम से गेममैनशिप बहुत दूर जाती है। मुझे किसी भी खिलाड़ी को वास्तविक उपस्थिति में विपक्ष के प्रति खुद को व्यक्त करना बहुत पसंद है, यह डराने का एक रूप है जो परेशान कर सकता है। विराट कोहली 18 जून से साउथेम्प्टन में शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में केन विलियमसन की कप्तानी वाली न्यूजीलैंड से भिड़ेंगे। हैडली ने कहा कि दोनों टीमों के गेंदबाज इंग्लैंड की परिस्थितियों का लुत्फ उठाएंगे, लेकिन विजेता का चयन करने से परहेज करते हुए कहा कि यह बहुत करीब है। विशेष रूप से, न्यूजीलैंड ने पिछले साल 2 टेस्ट मैचों की श्रृंखला में भारत को घर में हरा दिया था। हालांकि ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया को हराकर और घर में इंग्लैंड को पछाड़कर कोहली की टीम फाइनल में पहुंच गए हैं। टेस्ट चैंपियनशिप एक बार का खेल है। हां, यह एक फाइनल है लेकिन मुझे नहीं लगता कि कोई भी टीम इसके बारे में बहुत ज्यादा हैरान होगी। यह एक तटस्थ मैदान है जिसमें कोई घरेलू लाभ नहीं है। दोनों टीमें निरंतरता के कारण फाइनल में लड़ने की हकदार हैं। उन्होंने कहा, यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि कौन सबसे तेजी से अंग्रेजी परिस्थितियों के अनुकूल ढलता है। मौसम भी अपनी भूमिका निभा सकता है और अगर यह ठंडा रहता है, तो यह न्यूजीलैंड के पक्ष में हो सकता है।

भविष्य में भी भारत दौरे पर जाने को तैयार हूं : सीफर्ट

आकलैंड । न्यूजीलैंड के क्रिकेटर टिम सीफर्ट ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान कोरोना पॉजिटिव होने बाद वह बेहद डर गये थे पर इसके बाद भी वह आने वाले समय में टी20 विश्व कप सहित सभी मुकाबलों के लिए भारत जाने के लिए तैयार हैं। सीफर्ट के अनुसार आईपीएल में बने बायो बबल (जैव सुरक्षित वातावरण) के अंदर उन्हें कभी भी असुरक्षित नहीं लगा। सीफर्ट ने कहा, आईपीएल से पहले वहां मौजूद इंग्लैंड के खिलाड़ियों से बात की थी और उन्होंने बताया कि सब कुछ अच्छा है। हमने सब अच्छी चीजें ही सुनी जिनमें टूर्नामेंट के लिये की गयी तैयारियां भी शामिल थी। उन्होंने कहा, यह किसी भी खिलाड़ी के लिये जाने के लिये अच्छा माहौल था और ईमानदारी से कहूं तो मैं जितने समय भी वहां (भारत में) रहा, बायो बबल में अच्छा लगा। मैं वहां सुरक्षित महसूस कर रहा था। सीफर्ट कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम का हिस्सा थे। वह बीमारी से उबरने के बाद न्यूजीलैंड वापसी पर अभी यहां 14 दिन के अनिवार्य पृथकवास पर हैं। उनका बयान आईपीएल की अन्य टीमों के कुछ खिलाड़ियों के बयानों के विपरीत है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा ने कहा था कि वह भारत में आईपीएल बायो बबल के अंदर असुरक्षित महसूस कर रहे थे। सीफर्ट ने कहा, मुझे अलग थलग कर दिया गया और बताया गया कि मेरा परीक्षण पॉजिटिव आया है। सभी के वापस लौटने के बाद मेरा दिल टूट गया। पूरे टूर्नामेंट में से मैं केवल अकेला विदेशी खिलाड़ी था जो भारत में था। तब चीजें थोड़ी वा कठिन हो गयी थी।

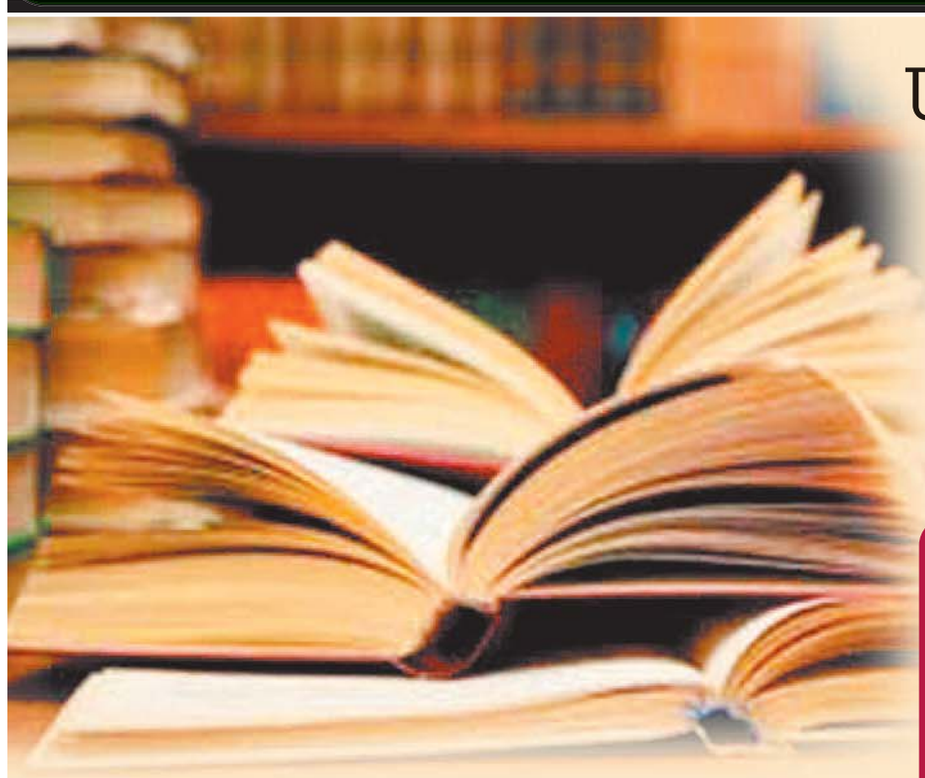

परीक्षा में सफलता पाने का मूल मंत्र

यदि तुम इस बार क्लास में फर्स्ट रैंक पर नहीं आई, तो याद रखना कि तुम्हारे सारे गिफ्ट्स कैंसल..., गोवा का ट्रिप तो कैंसल ही समझना यदि तुमने टॉप नहीं किया..., देखो बेटा कम नंबर लाकर हमारी नाक मत कटवा देना, यदि 90 प्रतिशत नहीं आए तो मनपसंद कालेज में एडमिशन नहीं मिलेगा..., ये सब एग्जाम से पहले हर पेरैंट्स को कहते हुए सुना जा सकता है, जो बच्चों में एग्जाम की टैंशन दोगुना कर देते हैं।

वास्तव में परीक्षा की घड़ी ऐसा समय होता है, जब बच्चे हों या बड़े हर कोई घबरा जाता है। छोटे बच्चों के लिए परीक्षा किसी हौव्वे से कम नहीं होती। एक ओर पेरैंट्स की उनसे अपेक्षाएं और दूसरी ओर उनका चंचल मन, दोनों उनके लिए दुविधा का कारण बन जाते हैं। परीक्षा में जहां तनाव के कारण बच्चों का पढ़ाई में मन नहीं लगता, वहीं दूसरी ओर बच्चों के लिए परीक्षा में अच्छे अंक लाना भी मजबूरी बन जाती है।

सफलता का मूल मंत्र

1 सबसे पहले पढ़ाई करने के लिए एक टाइम टेबल बनाएं और उसी के अनुसार अपनी पढ़ाई करें।
2 पढ़ाई करते वक्त एकाग्रता होनी बहुत जरूरी होती है। इसके लिए सुबह जल्दी उठ कर ध्यान करें, जिससे आपकी एकाग्रता बनी रहे।
3 हर रोज कोई टैस्ट पेपर बना कर एक निर्धारित समय सीमा में उसको हल करने का प्रयास करें। उसके बाद अपनी उत्तर पुस्तिका को जांच कर अपना मूल्यांकन स्वयं करें।
4 लगातार घंटों बैठ कर पढ़ाई करने से बेहतर है कुछ समय एकाग्रचित्त होकर पढ़ाई की जाए।
5 पढ़ाई के बीच-बीच में दो-तीन घंटे बाद एक ब्रेक अवश्य लें।
6 देर रात तक पढने़ की अपेक्षा सुबह जल्दी उठ कर पढ़ाई करें।
7 आप चाहें तो अपने दोस्तों के साथ बैठ कर भी पढ़ाई कर सकते हैं।
8 पढ़ाई के दौरान और परीक्षा के लिए जाते समय कभी भी ऐसे नकारात्मक विचार मन में न आने दें कि जो पेपर में आएगा वह हल कर पाऊंगा या नहीं।
9 पूरे आत्मविश्वास के साथ पेपर देने जाएं। इससे पेपर हल करने में काफी मदद मिलेगी।
10 हमेशा यह सोचें कि मेहनत करके आप भी अव्वल आ सकते हैं।
11 परीक्षा में सबसे पहले पूरा प्रश्नपत्र पढ़ें और उसके बाद ही उसे हल करें। हड़बड़ी में प्रश्नपत्र हल करने की भूल न करें।
12 जिस प्रश्न को हल कर रहे हैं, उस पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित रखें। इस दौरान अन्य प्रश्नों के बारे में विचार न करें, परंतु समय का ध्यान जरूर रखें।

न बनाएं दबाव

अपने बच्चे की क्षमता, रुचियों, इच्छा और क्लास में उसकी पोजीशन जानने की पेरैंट्स की कोई इच्छा नहीं रहती तथा बच्चे पर हर संभव तरीके से दबाव डाला जाता है, जिसके परिणामस्वरूप बच्चा बीमार भी हो सकता है तथा फेल होने पर घातक कदम तक उठा लेता है। अत- बच्चे को बिना किसी दबाव के इम्तिहान देने देना ही उसे तनाव मुक्त बनाता है।

उस पर कभी ज्यादा अंक लाने या किसी अन्य बच्चे जैसा बनने का दबाव न डालें। हर बच्चा अपने आप में विलक्षण होता है, बस उसे पहचानने की कोशिश करें। उसे आपके विवेकपूर्ण मार्गदर्शन की आवश्यकता है, इसलिए उसकी असफलताओं पर उसे धिक्कारें नहीं, बल्कि विषम परिस्थितियों में उसे संभले रहने की शिक्षा दें।

प्रेरित करें

हर बच्चे की बुद्धि, योग्यता और दक्षता भिन्न-भिन्न होती है, इसलिए तुलना विपरीत परिणाम सामने ला सकती है। किसी बच्चे पर अधिक अंक लाने के दबाव का परिणाम अक्सर उल्टा होता है। अपने बच्चे को परीक्षा के लिए अधिक से अधिक तैयारी करने के लिए प्रेरित करना तो अच्छी बात है, परंतु उसके लिए लक्ष्य निर्धारित कर प्राप्त करने का दबाव बनाना गलत है।

इससे वह प्रेरित होने की अपेक्षा कुंठित ज्यादा होता है। यदि बच्चा पेरैंट्स की इच्छानुसार परिणाम नहीं ला पाता तो उसे प्रताड़ित न करें। इस बात का विश्वास रखें कि हर बच्चा अपने पेरैंट्स की अपेक्षाओं पर हमेशा खरा उतरने का प्रयास करता है।

बच्चे का संबल बनें

जब वह ऐसा नहीं कर पाता तो वह खुद ही बहुत निराशा, हताशा और आत्मग्लानि महसूस करता है। इस नाजुक समय में बच्चे को पेरैंट्स से संबल की जरूरत होती है। ऐसी स्थिति में बच्चे को अपमानित करने से बचें, क्योंकि यह वह संवेदनशील स्थिति होती है कि बच्चा आत्महत्या जैसे घातक कदम तक उठा सकता है।

बदलें दृष्टिकोण

यदि आशानुरूप परिणाम नहीं आए, तो उसे धीरज बंधाएं और समझाएं कि कोई एक परीक्षा उनके लिए उससे महत्वपूर्ण नहीं है। अभी जीवन बहुत बड़ा है और उसे खुद को सिद्ध करने के अनेक मौके मिलेंगे। अभिभावकों का यह दृष्टिकोण बच्चे को अच्छा प्रदर्शन करने को प्रेरित करेगा।

रखें ध्यान

1 हर बच्चा किसी विशेष प्रतिभा के साथ पैदा होता है। इस बात को समझें व बच्चे को भी समझाएं।
2 अपने बच्चे को कामयाब नहीं, काबिल बनने के लिए पढने़ को कहें।
3 उसे अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने का साधन मत समझें।
4 उसकी रुचियों और आदतों को समझते हुए उसे समझने का प्रयास करें तथा उसी के अनुरूप करियर चयन में उसका साथ दें।
5 किसी बात को उस पर थोपें नहीं, बल्कि उसे सिर्फ सुझाव दें।

स्वयं को तरक्की की राह पर परखें

महाभारत का युद्ध कहीं बाहर नहीं, हमारे मन में ही चलता है। मन में अच्छे और बुरे विचारों की लड़ाई ही महाभारत है। यहां हमारा मन अर्जुन है और विवेक रूपी चेतना कृष्ण।

युद्ध के दौरान जब अर्जुन अपने सभी सगे-संबंधियों, गुरुओं आदि को सामने देखते हैं तो उनके मन में मोह पैदा हो जाता है। उन्हें लगता है कि ये सब तो मेरे अपने हैं, मैं इनको कैसे मार सकता हूं। इससे तो अच्छा है कि मैं युद्ध ही न करूं। ऐसी बातें सोच कर दुखी अर्जुन भगवान कृष्ण की शरण में बैठ गए।

तब भगवान कृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया। कहा, 'हे अर्जुन, जड़ मत बनो। यह तुम्हारे चरित्र के अनुरूप नहीं है। हृदय की तुच्छ दुर्बलता को त्यागकर युद्ध के लिए खड़े हो जाओ।'

कई बार व्यक्ति को किसी काम को करने से उसका दुर्बल मन डराता है। इस वजह से वह आगे नहीं बढ़ पाता मगर याद रखना चाहिए कि जीवन में तरक्की दुर्बलता से नहीं बल्कि मजबूत इरादों से मिलती है। दिनचर्या के हर काम को युद्ध की तरह समझना चाहिए और उसको उत्साह के साथ पूरा करना चाहिए। मन को कभी कमजोर नहीं पडने़ देना चाहिए। मन डराएगा लेकिन हमें डरना नहीं है। जीवन आगे बढने़ के लिए है, डर कर या निराश होकर बैठ जाने के लिए नहीं।

कैसे प्रेरित करें व्यक्ति को उन्नति व प्रगति की तरफ

प्रशंसा के द्वारा मानव हृदय जितना अधिक आकर्षित और आंदोलित होता है, उतना और किसी प्रकार नहीं होता। प्रशंसा, झूठी चापलूसी और चाटुकारिता से सर्वथा भिन्न है। सभी चाहते हैं कि हमारे गुणों को दूसरे भी परखें,सम्मान करें। प्रशंसा-प्रोत्साहन द्वारा अनेक व्यक्तियों को ऊंचा उठाने, आगे बढ़ाने में सहायक बनने का सत्प्रयोजन पूरा किया जा सकता है। इसका जादू सभी पर प्रभाव डालता है।

हो सकता है कि कोई क्रियाशील व्यक्ति आपकी प्रशंसा-प्रोत्साहन पाकर आभावों-प्रतिकूलताओं के बीच भी आगे बढ़ने का साहस नए सिरे से जुटा ले और उन्नति के प्रकाशपूर्ण पथ पर चलता हुआ, एक दिन ऊंची चोटी पर जा पहुंचे। इस महान कर्म-साधना में आप भी अनायास ही पुण्य के भागीदार बन बैठेंगे।

अनेक ऐसे लोग जो व्यक्तिगत रूप से उन्नतिशील होते हैं और जिनमें योग्यता के अंकुर विद्यमान होते हैं, समीपस्थ लोगों की झिड़क, तिरस्कार, उपेक्षा के कारण दब जाते हैं। उनका मन मर जाता है और वे उसी को अपनी नियति मान बैठते हैं। उनके गुणों को परखकर प्रशंसा-प्रोत्साहन के दो शब्द उनके कानों में डालने की कंजूसी न की जाए, तो इन्हीं थोड़े शब्दों का रस ही उनके अन्त:करण को ऊंचे स्तर की तृप्ति देता है, जिससे उनकी सारी थकान मिट जाती है, स्फूर्ति और उमंग उमड़ पड़ती है।

उन्नति के अवरुद्ध स्रोत खुल जाते हैं, अविकसित सत्प्रवृत्तियां प्रस्फुटित हो जाती हैं, छिपी योग्यताएं जाग्रत हो जाती हैं और निराशा के अंधकार में उन्हें पुन: आशा का दीपक जगमगाता दृष्टिगोचर होने लगता है। प्रशंसा के उपरांत यह परामर्श भी दिया जा सकता है कि उसमें जो थोड़ा-बहुत दोष-दुर्गुण हैं उन्हें किस प्रकार छोड़ें, अधिक प्रतिभावान बनें। यदि आप दूसरों के मुरझाए हृदयों को सींचने का, कानों की राह आत्माओं को अमृत पिलाने का धर्म-कार्य करते हैं, तो परोपकारी मेघों जैसे श्रेय के भागी हैं।

असफलता के बीच से निकलती है सफलता

किसी ने सच कहा है कि असफलता के बीच से ही सफलता का रास्ता निकलता है। यह अलग बात है कि हम असफलता के बाद ही इतना परेशान हो जाते हैं कि अगली बार कुछ भी पाने की कोशिश नहीं करते हैं। जिसके कारण हमारी सफलता का दौर शुरू होने से पहले ही बाधित हो जाता है। खास बात तो यह है कि इसी भीड़ से कुछ लोग अपने आपको हतोत्साहित नहीं करते बल्कि असफलता के बीच से ही सफलता के नए-नए आयाम ढूंढ लेते हैं। जो इस आयाम के सहार लेकर कुछ नया करने का प्रयास करते रहते हैं वे निसंदेह एक दिन कुछ खास कर जाते हैं जिसके कारण उनकी पहचान देश में ही नहीं बल्कि विदेश में भी नहीं, इतिहास के पन्नों में सुनहरे अक्षरों में सदा के लिए लिख दिए जाते हैं। हम यहां आगे बढने़ से पहले बल्ब के आविष्कारक थामस एडिसन की एक छोटी सी घटना पर प्रकाश डालना चाहूंगा। गौर करने की बात तो यह है कि एक बार जब थामस ने बल्ब का आविष्कार किया तो लोंगों ने उनसे प्रश्न किया कि-आप का प्रयोग करीब दो हजार बार फेल होने के बाद आप को अब जाकर सफलता मिली है। इसके जवाब में एडिसन ने कहा कि आपकी सोच गलत है क्योंकि मैं मेरा प्रयोग दो हजार बार फेल नहीं हुआ, बल्कि बल्ब का आविष्कार का प्रयोग दो हजार प्रयोग के बाद पूरा हुआ। इस वाक्य से बहुत ही सकारात्मक सोच की अनुभूति होती है। अगर हमारे अंदर इस तरह की सोच होगी तो हमारे बीच से हजारों की संख्या में थामस एडिसन और न्यूटन जैसे सकारात्मक और सफल व्यक्तियों का आगाज होता रहेगा।

सफल होना हर किसी के जीवन का लक्ष्य होता है। सभी लोग सफल होना चाहते हैं और उसके लिए कोशिश भी करते हैं। जिसके लिए हम अपनी लाइफ का अच्छा खासा समय उसे सजाने में लगा देते हैं। यह अलग बात है कि हमारी सफलता का अनुपात कुछ समय ज्यादा तो कुछ समय कम होता है। कुछ लोगों को सफलता ज्यादा मिलती है तो कुछ लोगों को सफलता देर से मिलती है। इसके पीछे सभी के विचार भी अलग होते हैं। इसके लिए सबके विचार भी अलग-अलग होते हैं।

सफलता का मंत्र-

हमेशा लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा तय करें। सबसे बड़ी बात तो यह है कि अगर हम सौ प्रतिशत सफलता का लक्ष्य बनाएंगे तो कुछ हद तक तो सफलता जरूर मिलेगी। अगर हमें पूरी सफलता नहीं मिलेगी तो भी हम कुछ हद तक तो सफलता पा ही जाएंगे। सफलता के लिए जरूरी है कि हमारे अंदर आत्मविश्वास के साथ आत्मज्ञान और संयम भी हो। हमेशा सकारात्मक सोच रखे और नकारात्मक सोच को दरकिनार कर दें। हमें हमेशा अपने लक्ष्य को याद रखना चाहिए। लक्ष्य के अनुसार ही काम करना चाहिए। जहां तक संभव हो अपने आपको भ्रांतियों से बचाकर ही रखें और अपने को समय के अनुसार ही ढ़ालें। सफलता की सभी कहानियां उसके असफलता से ही निकलती हैं। आज में जीने वाला व्यक्ति सदा, खुशहाल भविष्य का भागीदारी होता है। यहां हमारा यह बिल्कुल भी नहीं कहना है कि आज को आप पूरी तरह ऐश में बीता दें, यानी बर्बाद कर दें तो आप का भविष्य उज्ज्वल है। यहां आज में जीने का तात्पर्य बहुत ही सामान्य है कि आप आज में जीए और भविष्य के लिए तैयारियां करें, उदाहरण के तौर पर अगर हम परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो हमें वर्तमान में जी कर यानी पूरी तरह से अटेंटिव होकर अपनी पढ़ाई करनी चाहिए। इस दौरान उसे न तो नौकरी के बारे में सोचना चाहिए और न ही उसे परीक्षा के परिणाम के बारे में सोचना चाहिए। अगर वह स्टूडेंट, विभिन्न तरह के परिणामों यानी सवालों के घेरे में पड़ जाएगा तो वह वर्तमान दौर की जरुरत पढ़ाई नहीं कर पाएगा। फिर न तो परीक्षा का रिजल्ट आएगा और नही अच्छी नौकरी की उम्मीद की जा सकती है। हमें कभी भी शॉट कट फार्मूला नहीं अपनाना चाहिए। गौर करने की बात तो यह है कि शॉटकट हमेशा छोटा होता है और वह असफलता को आमंत्रित करता है। अगर गलती से सफलता मिल भी जाती है तो वह ज्यादा दिनों तक नहीं टिकती है क्योंकि वह भी शॉट कट से निकलती है तो वह भी शॉट होती है। हमे जिंदगी में फूल-प्रूफ प्लान बनाना चाहिए ताकि सफलता में कोई भी संदेह न रहे। सबसे अहम और जरूरी बात यह है कि हर किसी को अपने अंदर आत्मविश्वास और भरोसा जरूर रखना चाहिए। क्योंकि आत्मविश्वास होने पर बड़ी से बड़ी चुनौतियां बड़े ही आसानी से प्राप्त की जा सकती है। सफलता का एक अन्य जरूरी सूत्र है कि हम अपने आपको आत्मसंतुलित रखें यानी कि अपने को नियमों के अनुसार बांधकर चले। जिससे सफलता जरूर मिलती है। अपने आपको सदा इधर-उधर की बातों से दूर रखें जहां तक संभव हो जितना जरूरी हो वहीं तक लोगों से बात करे। लोगों को सदा इंटरटेन करने के बारे में न सोचे। अगर आपको लगे कि इसती संगति आपको परेशान यानी असफलता की तरफ ले जाती है तो आपको इसका छोडने़ में देरी नही करनी चाहिए। इसी संदर्भ में किसी जानकार का वक्तव्य हम व्यक्त करना चाहेंगे कि कुसंगति से अच्छा है कि हम बिना संगति के रहें।

गौर करने की बात तो यह है कि सफलता से सदा आत्मसंतुष्टि होती है जिसका स्वाद तो बस वही समझ सकता है कि जिसने सच्चे अर्थों में सफलता प्राप्त की हो यानी जिसने अपनी लगन और मेहनत से तैयारी की हो और उसे उसी अनुपात में सफलता मिली हो। सफलता के बाद हमें नेम, फेम के साथ एक सुकून मिलता है जो बड़ा ही आरामदायक और आनंददायक होता है। लेकिन इन सब के बावजूद व्यक्ति को कभी यह नहीं भूलना चाहिए कि उसकी शुरूआत कहा से हुई थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पाकिस्तान के शिक्षा मंत्री को हुआ कोरोना वायरस, टीका लगाने के बाद भी हो रहे लोग संक्रमित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के शिक्षा मंत्री शफकत महमूद ने मंगलवार को घोषणा की कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित पाये गये है लेकिन उनमें इस वायरस के ''हल्के लक्षण'' है। महमूद ने ट्वीट किया, ''मैं कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया हूं। मुझ में हल्के लक्षण है लेकिन मैं ठीक महसूस कर रहा हूं। इंशाअल्लाह, जल्द ठीक हो जाऊंगा।'' मार्च में कोरोना वायरस का टीका लगवाने के बावजूद वह इस वायरस से संक्रमित हो गये। देश में पिछले साल फरवरी में यह महामारी शुरू होने के बाद से प्रधानमंत्री इमरान खान, राष्ट्रपति आरिफ अल्वी और कई सरकारी अधिकारी कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। पाकिस्तान में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के 905,852 मामले सामने आ चुके हैं और इस महामारी से 20,400 लोगों की मौत हो चुकी हैं।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन पहुंचे इजरायल, क्यो हो रहा है यह दौरा?

यरुशलम। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन पश्चिम एशिया के अपने दौरे के शुरुआती चरण के तहत इजराइल पहुंच गये हैं। इस यात्रा का उद्देश्य गाजा संघर्ष विराम को प्रोत्साहित करना है। ब्लिंकन मंगलवार की सुबह इजराइल पहुंचे। वह क्षेत्र का दौरा करने वाले राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन के सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि ब्लिंकन को उन्हीं गतिरोधों का फिर से सामना करना पड़ेगा जिनकी वजह से एक दशक से अधिक समय से शांति प्रक्रिया बाधित हुई है। इनमें इजराइली नेतृत्व, फलस्तीन का विभाजन और यरुशलम एवं उसके धार्मिक स्थलों के आस पास व्याप्त तनाव जैसे मुद्दे शामिल हैं। 11 दिन तक चले इजराइल-गाजा संघर्ष में 250 से अधिक लोग मारे गये जिनमें अधिकतर फलस्तीनी हैं। इस संघर्ष में तटीय क्षेत्र में चौतरफा तबाही हुई है जिसकी हालत पहले से ही दयनीय है। ब्लिंकन के , गाजा के सैन्य शासन हमास से संपर्क किये बिना वहां पुनर्निर्माण के काम में सहयोग पर ध्यान केंद्रित किये जाने की संभावना है। हमास को इजराइल और पश्चिमी देश आतंकवादी मानते हैं। संघर्ष विराम शुक्रवार से प्रभाव में आया है। हालांकि इससे अब तक मौजूदा मुद्दों का कोई समाधान नहीं हो पाया है।

मलेशिया में दो ट्रेन की हुई आपस में भीषण टक्कर, 200 से अधिक घायल

कुआलालंपुर। मलेशिया के कुआलालंपुर में एक सुरंग के भीतर दो लाइट रेल ट्रेनों (मेट्रो एवं ट्राम की विशेषता वाली ट्रेन) के बीच हुई टक्कर में 200 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह हादसा 23 साल पुरानी मेट्रो प्रणाली का सबसे बड़ा हादसा है। सोमवार रात हुई टक्कर की सोशल मीडिया पर प्रसारित तस्वीरों में खून से लथपथ यात्री दिख रहे हैंऔर चारों तरफ शीशे टूट कर बिखरे हुए हैं। परिवहन मंत्री वी का सियांग ने स्थानीय मीडिया को बताया कि मेट्रो ट्रेन देश के सबसे ऊंचे ट्विन टावरों में से एक पेट्रोनास टॉवर्स के पास सुरंग के भीतर परीक्षण के लिए चलाई गई खाली गाड़ी से टकरा गई। ट्रेन में 213 यात्री सवार थे। उन्होंने कहा, ५एक गाड़ी 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से जा रही थी और दूसरी गाड़ी करीब 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी, जब यह टक्कर हुई। भीषण झटका लगने की वजह से कुछ यात्री अपनी सीट से बाहर गिर गए।'' संघीय क्षेत्र मंत्री अनुआर मूसा ने मंगलवार को ट्वीट कर बताया कि तीन यात्रियों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। वहीं 40 से अधिक लोगों को गंभीर चोटें आई हैं और अन्य 160 को मामूली चोटें आई हैं। प्रधानमंत्री मुहिद्दीन यासीन ने हादसे की संपूर्ण जांच कराने को कहा है। पुलिस ने कहा है कि उन्हें संदेह है कि ट्रेनों के परिचालन नियंत्रण केंद्र से कुछ गलत सूचना दी गई। खाली गाड़ी को एक चालक चला रहा था लेकिन यात्रियों वाली ट्रेन पूर्णत- स्वसंचालित थी और उसका नियंत्रण परिचालन केंद्र कर रहा था।

पाकिस्तान को लगा तगड़ा झटका, अमेरिका की ओर से अब भी निलंबित रहेगी सुरक्षा सहायता

वाशिंगटन/इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पेंटागन की ओर से कहा गया है कि राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पाकिस्तान को दी जाने वाली सुरक्षा सहायता को निर्लंबित रखने की पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीति को बरकरार रखा है और अभी यह स्पष्ट नहीं है कि प्रशासन भविष्य में इस बारे में अपने रूख में बदलाव लाएगा या नहीं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी 2018 में पाकिस्तान को दी जाने वाली सभी सुरक्षा सहायता निलंबित करते हुए कहा था कि वह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पाकिस्तान की भूमिका तथा उसकी ओर से मिलने वाले सहयोग को लेकर संतुष्ट नहीं हैं। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने एक संवाददाता सम्मेलन में सोमवार को कहा, ''पाकिस्तान को अमेरिका की ओर से दी जाने वाली सुरक्षा सहायता अब भी निलंबित है। आगे इसमें कोई बदलाव होगा या नहीं इस बारे में मैं अभी कुछ नहीं कहना चाहता।'' किर्बी से सवाल किया गया था कि राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने इस विषय पर पूर्ववर्ती ट्रंप प्रशासन की नीति की समीक्षा की है या नहीं? उनसे पूछा गया था कि क्या इसमें कोई परिवर्तन किया गया है या पाकिस्तानी नेतृत्व के साथ इस मुद्दे पर चर्चा हुई है? किर्बी ने बताया कि इससे पहले रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा से बात की। ऑस्टिन ने जनरल बाजवा के साथ साझा हितों एवं लक्ष्यों के बारे में चर्चा की। उन्होंने बताया, ''रक्षा मंत्री ने अफगानिस्तान शांति वार्ता में पाकिस्तान के समर्थन की सराहना की और अमेरिका-पाकिस्तान द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने की अपनी इच्छा जाहिर की।'' ऑस्टिन ने ट्वीट किया, ''मैंने दोहराया कि अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों की मैं सराहना करता हूं। क्षेत्रीय सुरक्षा तथा स्थिरता को बढ़ाने की खातिर मिलकर काम करने की इच्छा भी मैंने दोहराई।'' एक दिन पहले अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने जिनेवा में अपने पाकिस्तानी समकक्ष मोईद यूसुफ से मुलाकात की। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की प्रवक्ता एमिली होर्न ने बताया, ''दोनों पक्षों ने साझा हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की तथा व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर बात की। इस संवाद को जारी रखने पर भी दोनों ओर से

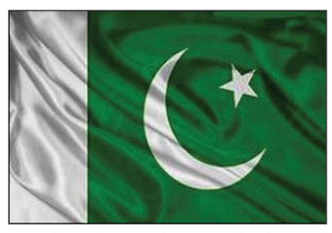

सहमति बनी।'' व्यक्तिगत उपस्थिति वाली पहली उच्च स्तरीय बैठक में पाकिस्तान और अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने विस्तृत मुद्दों पर बात की। इस्लामाबाद में यूसुफ के कार्यालय की ओर से जारी संयुक्त वक्तव्य में कहा गया, ''दोनों पक्षों के बीच साझा हित के अनेक क्षेत्रीय, द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर सकारात्मक बात हुई। वे इन मुद्दों पर व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने पर भी सहमत हुए।

कांगो में ज्वालामुखी फटने के बाद भूकंप के झटके, कम से कम 32 लोगों की मौत

किन्शासा। (एजेंसी)।

पूर्वी कांगो में ज्वालामुखी फटने के कारण अब तक कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ज्वालामुखी फटने के दो दिन बाद गोमा शहर के बाहरी इलाकों में नष्ट हो चुके घरों के बीच लोग अपने प्रियजनों को खोजते नजर आए। यहां ज्वालामुखी फटने के बाद भूकंप के झटके भी महसूस किए गए। अधिकारियों तथा प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कांगो के गोमा शहर के नजदीक स्थित ज्वालामुखी माउंट नीरागोंगो शनिवार को फट गया था। जिसके बाद लावा बहकर यहां के गांवों में आ गया, जिसके कारण यहां 500 से ज्यादा मकान नष्ट हो गए। 'नॉर्थ किवू' प्रांत में नागरिक सुरक्षा प्रमुख जोसफ माकुंडी ने बताया कि मरने वालों की संख्या सोमवार को 32 हो गई। उन्होंने बताया कि ज्वालामुखी से बचकर भागने के प्रयास में विभिन्न सड़क दुर्घटनाओं में दस से अधिक लोगों की मौत हो गई। कई अन्य की लावा की चपेट में आने से मौत हो गई। गोमा में ज्लावामुखी संबंधी वेधशाला के निदेशक सेलेस्टिन कासेरेका महिंदा ने बताया कि कई लोगों की लावा से निकलने वाले धुंए तथा जहरीली गैस के संपर्क में आने से मौत हुई। महिंदा ने बताया कि वेधशाला के वैज्ञानिक ज्वालामुखी फटने की आशंका के संबंध में जनता को उचित तरीके से सचेत नहीं कर पाए। उन्होंने बताया कि ज्वालामुखी अब भी सक्रिय है तथा भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं। महिंदा ने लोगों से अब भी सतर्क रहने को कहा है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने बताया कि ज्वालामुखी माउंट नीरागोंगो शनिवार को फट गया था, जिसके कारण करीब पांच हजार लोग गोमा शहर छोड़कर चले गए जबकि अन्य 25,000 ने उत्तर पश्चिम में साके शहर में शरण ली।

विद्रोही सैनिकों ने माली देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को किया गिरफ्तार

बमाको (माली)। (एजेंसी)।

माली में विद्रोही सैनिकों ने देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। घटना के कुछ ही घंटों पहले सरकार में फेरबदल किया गया था और सेना के दो सदस्यों को सरकार में शामिल नहीं किया गया था। अफ्रीकी संघ और संयुक्त राष्ट्र ने यह जानकारी दी। माली में नौ महीने पहले सेना ने सैन्य तख्तापलट करके सत्ता अपने हाथ में ले ली थी। पश्चिम अफ्रीकी क्षेत्रीय खंड (ईसीओडब्ल्यूएएस) और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के अन्य सदस्यों ने एक संयुक्त बयान जारी कर राष्ट्रपति बाह एन डॉव और प्रधानमंत्री मोक्टर ओउने को तुरंत रिहा करने की मांग की है।

दोनों नेताओं को काती सैन्य मुख्यालय ले जाया गया है। संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने वालों ने माली की राजनीतिक व्यवस्था को तत्काल बहाल करने तथा तय समयसीमा के अंदर उसे अपना कार्यकाल पूरा करने की मांग की है। बयान में कहा गया है, ''अंतरराष्ट्रीय समुदाय जबरन इस्तीफे समेत तमाम कार्रवाइयों का विरोध करता है।'' उन्होंने कहा, ''आज का यह अविवेकपूर्ण फैसला भविष्य में अंतरराष्ट्रीय समुदाय को माली के समर्थन में आने से रोकेगा।'' इस घटनाक्रम से एक नयी चिंता उभर कर सामने आयी है कि क्या मौजूदा सरकार स्वतंत्र रूप से भविष्य में काम कर पायेगी और अगले साल फरवरी में माली में तय लोकतांत्रिक चुनाव को आयोजित कराने की योजना को आगे बढ़ा पायेगी। संयुक्त राष्ट्र माली में शांति अभियानों पर हर साल 1.2 अरब डॉलर खर्च करता है।

कोवैक्सिन को आपात इस्तेमाल लिस्ट में शामिल करने के लिए भारत बायोटेक से और जानकारी जरूरी : डब्ल्यूएचओ

न्यूयॉर्क/जिनेवा। (एजेंसी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि कोविड-19 के लिए अपने कोवैक्सिन टीके को आपात उपयोग वाली सूची (ईयूएल) में शामिल कराना चाह रही भारत बायोटेक से और अधिक जानकारी प्राप्त करने की जरूरत है। डब्ल्यूएचओ की वेबसाइट पर 18 मई को जारी 'डब्ल्यूएचओ की ईयूएल मूल्यांकन प्रक्रिया में कोविड-19 टीकों की स्थिति' पर ताजा दिशा-निर्देश रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत बायोटेक ने 19 अप्रैल को ईओआई (रुचि पत्र) जमा किया था तथा उससे अभी और जानकारी चाहिए। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, टीकों के आपात उपयोग की प्रक्रिया के लिए सूचीबद्ध करने के लिहाज से अनुमति देने के आवेदन गोपनीय होते हैं। एजेंसी के अनुसार, यदि मूल्यांकन के लिए जमा किया गया कोई दस्तावेज सूची में शामिल करने के मानदंड को पूरा करता पाया जाता है तो डब्ल्यूएचओ व्यापक परिणाम जारी करेगा। इस बीच हैदराबाद स्थित भारत बायोटक इंटरनेशनल लिमिटेड (बीबीआईएल) ने सरकार से कहा है कि उसने कोवैक्सिन टीके को आपात उपयोग सूची (ईयूएल) में शामिल कराने के लिए डब्ल्यूएचओ को 90 प्रतिशत दस्तावेज जमा कर दिये हैं। नयी दिल्ली में सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, भारत बायोटेक ने केंद्र सरकार से कहा कि शेष दस्तावेज जून तक जमा किये जा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि ईयूएल पर बीबीआईएल के साथ बैठक में कंपनी के प्रबंध निदेशक वी. कृष्ण मोहन और उनके सहयोगी तथा स्वास्थ्य मंत्रालय, जैवप्रौद्योगिकी विभाग तथा विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला भी बैठक में शामिल हुए।

म्यांमार में हो सकता है भयंकर गृह युद्ध, संयुक्त राष्ट्र के दूत ने दी चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

म्यांमार के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत ने देश में गृह युद्ध की आशंका के प्रति सोमवार को आगाह किया। उन्होंने कहा कि लोग सैन्य जुंटा के खिलाफ खुद को तैयार कर रहे हैं और प्रदर्शनकारियों ने घर पर बने हथियारों एवं कुछ नस्ली सशस्त्र समूहों से प्राप्त प्रशिक्षण का इस्तेमाल कर रक्षात्मक रुख अपनाने के बजाय आक्रामक रुख अपनाना शुरू कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र के डिजिटल संवाददाता सम्मेलन में क्रिसरीन श्रैनर बर्जनर ने कहा कि लोग आत्मरक्षा के कदम उठा रहे हैं क्योंकि वे निराश हैं और सेना के हमलों को लेकर भयभीत हैं।

सेना ने लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार का एक फरवरी को तख्तापलट किया था और अब 'बड़े पैमाने पर हिंसा÷ हो रही है। उन्होंने कहा कि गृह युद्ध 'हो सकता है' और इसलिए पिछले तीन हफ्तों से अपने स्थान पर, जो अब थाइलैंड में है, उन्होंने कई प्रमुख पक्षों के साथ विमर्श कर समावेशी वार्ता शुरू करने के विचार पर चर्चा की जिसमें नस्ली सशस्त्र समूह, राजनीतिक दल, नागरिक समाज, हड़ताल समितियां और तात्मादॉ के तौर पर चर्चित सेना को शामिल करने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय से प्रत्यक्षदर्शियों के छोटे समूहों को भी शामिल किया जाएगा। बर्जनर ने कहा, 'स्पष्ट तौर पर दोनों पक्षों को वार्ता के लिए रजामंद करना आसान नहीं होगा लेकिन मैं अपने प्रभाव की.... और खून-खराबा तथा लंबे समय तक चल सकने वाले गृह युद्ध को टालने की पेशकश करती हूं।' उन्होंने कहा, 'हम स्थिति को लेकर चिंतित हैं और स्पष्ट तौर पर

चाहते हैं कि वहां के लोग तय करें कि वह देश को सामान्य स्थिति में पहुंचते हुए कैसे देखना चाहते हैं।' बर्जनर ने म्यांमा में स्थिति को 'बहुत खराब' बताते हुए कहा कि 800 से ज्यादा लोगों की मौत हुई, करीब 5,300 को गिरफ्तार किया गया है और सेना ने 1,800 से अधिक गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं।

अफगानिस्तान : अमेरिकी सैनिकों की वापसी शुरू होते ही अपना दायरा बढ़ा रहा तालिबान, तीन जिलों पर किया कब्जा

काबुल। अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी शुरू होने के साथ ही आतंकी संगठन तालिबान ने अपना दायरा बढ़ाना शुरू कर दिया है। उसने पिछले कुछ हफ्तों में युद्ध प्रभावित इस देश के तीन जिलों पर कब्जा कर लिया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, तालिबान आतंकियों ने हाल में वरदक प्रांत के जलरेज जिले और लघमन प्रांत के दौलत शाह जिले पर कब्जा कर लिया। आतंकियों ने अफगान सुरक्षा बलों से संघर्ष के बाद इस महीने की शुरुआत में बगलान प्रांत के बुर्का जिले पर भी कब्जा कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि अफगान बलों ने इन जिलों को मुक्त कराने के लिए अभियान चला रखा है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रोहुल्ला अहमदजई ने बताया कि सुरक्षा बलों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए तालिबान आतंकी नागरिकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। सुरक्षा बल जिलों से आतंकियों को खदेड़ने में सक्षम हैं। नागरिकों की सुरक्षा के मद्देनजर समय लग रहा है। जबकि सेना प्रमुख मुहम्मद यासीन जिया ने सोमवार को लघमन की राजधानी मेहतर लाम का दौरा किया। उन्होंने बताया कि प्रांत में आतंकियों के खिलाफ अभियान चलाया गया है। अब तक 50 से ज्यादा आतंकी ढेर कर दिए गए और करीब 60 घायल हुए हैं। बता दें कि अफगानिस्तान में करीब 20 वर्षों से जारी संघर्ष को खत्म करने के प्रयास में अमेरिका और तालिबान के बीच गत वर्ष फरवरी में शांति समझौता हुआ था। इसी समझौते के तहत अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी हो रही है। राष्ट्रपति बाइडन ने गत माह एलान किया था कि अमेरिकी बल 11 सितंबर तक अफगानिस्तान को छोड़ देंगे।

लॉटरी का टिकट फेंक कर गई महिला, भारतीय मूल ने वापस लौटाया; हुई लखपति

न्यूयॉर्क। अमेरिका के मेसाच्युसेट्स राज्य में भारतीय मूल के एक परिवार ने ईमानदारी की मिसाल पेश करते हुए एक महिला को उसका लॉटरी का टिकट वापस कर दिया, जिसे वह बेकार समझ कर फेंक गई थी और इस टिकट ने महिला को रातोंरात लखपति बना दिया। भारतीय मूल के परिवार की, ईमानदारी के लिए खूब प्रशंसा हो रही है। ली रोज़ फिएगा ने मार्च के महीने में 'लकी स्टॉप' नामक दुकान से लॉटरी का एक टिकट खरीदा था। यह दुकान साउथविक इलाके में रहने वाले भारतीय मूल के एक परिवार की है। महिला अक्सर इस दुकान से टिकट खरीदती थी। फिएगा ने सोमवार को बताया कि ,''मेरा लंच ब्रेक था और मैं जल्दी में थी। मैंने जल्दबाजी में टिकट का नंबर खुरचा और उसे देख कर लगा कि मेरी लॉटरी नहीं निकली है तो मैंने उन्हें टिकट दे कर उसे फेंकने के लिए कहा।'' न्यूयॉर्क पोस्ट ने अपनी खबर में बताया कि महिला ने जल्दबाजी में टिकट पूरी तरह नहीं खुरचा था और यह टिकट बेकार टिकटों के बीच दस दिन तक रखा रहा। इसके बाद दुकान के मालिक के बेटे अभि शाह की नजर उस टिकट पर गई। खबर में अभि शाह ने कहा ,''यह टिकट उसकी मां अरुणा शाह ने बेचा था और जिसे बेचा था वह महिला हमारी नियमित ग्राहक थी।'' स्थानीय टेलीविजन स्टेशन डब्ल्यूडब्ल्यूएलपी ने अपनी खबर में अभि के हवाले से बताया,'' एक शाम मैं बेकार पड़े टिकटों को देख रहा था और मैंने देखा कि उन्होंने ठीक से नंबर को खुरचा नहीं है। मैंने नंबर को खुरचा और देखा कि उसमें दस लाख डॉलर का इनाम है।'' अभि ने मजाकिया लहजे में कहा,'' मैं रातोंरात लखपति बन गया।'' उसने कहा कि उसने इस पैसे से एक कार खरीदने की सोची पर बाद में उसने टिकट वापस करने का निर्णय किया। शाह परिवार ने कहा कि टिकट वापस करने का निर्णय आसान नहीं था। दुकान के मालिक मुनीश शाह ने कहा,'' हम दो रात सोए नहीं। उसने भारत में मेरी मां, यानी अपनी दादी को फोन किया और उन्होंने कहा कि टिकट वापस कर दो, हमें वह पैसा नहीं चाहिए।'' इसके बाद परिवार ने टिकट वापस करने का फैसला किया। पूरी घटना पर फिएगाा ने कहा,'' शाह मुझे बुलाने आया तो मैंने कहा कि मैं काम कर रही हूं,लेकिन उसने कहा कि नहीं तुम्हें आना होगा,तो मैं वहां गई और वहां पहुंच कर मुझे पूरी बात पता चली। मुझे विश्वास ही नहीं हुआ। मैं रोई और उन्हें गले से लगाया।'' भारतीय मूल के परिवार के इस काम के लिए उनकी खूब प्रशंसा हो रही है।

कोरोना वायरस लगातार बदलते रहते हैं अपना रूप, क्या वैक्सीन होगा प्रभावी?

लंदन। (एजेंसी)।

वायरस लगातार अपना रूप परिवर्तित करते रहते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि आनुवंशिक सामग्री की प्रति बनाने के वक्त कई बार कुछ त्रुटियां रह जाती हैं। कुछ त्रुटियों का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। कुछ वायरस को कम टिकाऊ बनाती हैं। कुछ इसे और अधिक सुसाध्य बनाती हैं जिसका मतलब है कि वायरस जीवित तो रहेगा लेकिन इससे बीमारी नहीं होगी। यहां जिन त्रुटियों पर नजर रखी जानी है वे ऐसी त्रुटियां हैं जो वायरस को ज्यादा संक्रामक बनाती हों या प्रतिरक्षा तंत्र से बच निकलने में बेहतर ढंग से सक्षम हो जाएं।

कोविड-19 के लिए जिम्मेदार वायरस सार्स-सीओवी-2 भी अलग नहीं है। जितनी बार यह विभाजित होता है या रूप बदलता है उतनी बार यह नया जोखिम पैदा करता है जिससे वायरस का और गंभीर स्वरूप सामने आ सकता है। यह कहीं भी, किसी भी वक्त हो सकता है। इसलिए वायरस के प्रकारों पर नजर रखना और यह देखना जरूरी है कि क्या यह व्यक्ति से व्यक्ति में आसानी से फैल रहा है, मामूली या ज्यादा गंभीर बीमारी फैला रहा है, मौजूदा जांचों में उसका पता लगाने में दिक्कत तो नहीं हो रही या मौजूदा इलाजों का उसपर असर नहीं हो रहा है। दरअसल सबसे बड़ी चिंता का विषय है सुरक्षा कवच को भेदने वाला संक्रमण, जहां टीकों की सभी खुराक ले चुके व्यक्ति को भी कोविड हो जा रहा है।

वायरस के दूसरे स्वरूप का पता लगने के बाद, उसे या तो दिलचस्पी के स्वरूप या चिंताजनक स्वरूप या उच्च परिणाम वाले स्वरूप के तौर पर वर्गीकृत किया जाता है। राहत की बात है कि हमारा सामना उच्च परिणाम वाले किसी स्वरूप से अब तक नहीं हुआ है जिसपर मौजूदा चिकित्सा उपाय सभी काम नहीं करेंगे। लेकिन हमारे पास चिंता के कारण वाले कम से कम चार स्वरूप हैं। वायरस के किसी प्रकार के इस वर्गीकरण का मतलब है कि उनके ज्यादा फैलाव, ज्यादा गंभीर बीमारी करने, एंटीबॉडीज का उनपर घटता प्रभाव या टीकों एवं इलाजों का कम असर दिखाने वाले साक्ष्य हैं। इनमें बी117 (पहली बार ब्रिटेन में मिला), बी1351 (दक्षिण अफ्रीका में पहली बार पहचाना गया), पी 1 (पहली बार ब्राजील में मिला) और बी16172 (पहली बार भारत में पहचाना गया) स्वरूप शामिल हैं। ऐसे साक्ष्य हैं ये सभी ज्यादा फैलने वाले हैं और ऐसा क्यों है इसे समझने के लिए बेहतर आणविक समझ उपलब्ध है। अधिक प्रसार को महामारी विज्ञान की दृष्टि से (जनसंख्या में) देखा जा सकता है लेकिन एक लैब में भी इसकी पुष्टि करना आवश्यक है कि कोई खास चिंताजनक स्वरूप तेजी से क्यों फैल रहा है। मानवीय कोशिकाओं के रिसेप्टर एसीई2 से चिपक जाने वाला वायरस का हिस्सा, स्पाइक प्रोटीन इन सभी चिंताजनक स्वरूपों में बदला है और इनमें से कुछ में से इस बदलाव को एसीई2 से जुड़ जाने की वायरस की बढ़ी हुई क्षमता के रूप में देखा जा सकता है।

प्रयोगशाला के कुछ अध्ययनों में पाया गया कि मूल स्पाइक प्रोटीनों को निशाना बनाने वाली एंटीबॉडीज वायरस के चिंताजनक स्वरूपों के स्पाइक प्रोटीन को बेअसर करने में कम सक्षम हैं। लेकिन सबस अहम यह है कि तथाकथित वास्तविक दुनिया के आंकड़ों ने दिखाया है कि इसका वायरस के कुछ स्वरूपों के खिलाफ टीके के प्रभाव पर बड़ा असर नहीं पड़ता है। कतर का उम्मीद देने वाला एक अध्ययन दिखाता है कि फाइजर/ बायोटेक एन टीका बी117 के खिलाफ 90 प्रतिशत और बी1351 के खिलाफ 75 प्रतिशत प्रभावी है। एस्ट्राजेनेका टीका बी117 के खिलाफ 75 प्रतिशत असरदार है। 'पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड' ने खबर दी है कि दोनों फाइजर/बायोएनटेक और एस्ट्राजेनेका के टीके बी16172 के खिलाफ काफी असरदार हैं। फाइजर 88 प्रतिशत, तो एस्ट्राजेनेका 60 प्रतिशत प्रभावी है। यह अध्ययन इसलिए महत्त्वपूर्ण है क्योंकि बी16172 प्रकार वैश्विक तौर पर प्रमुख स्वरूप बन सकता है। ये विश्लेषण संक्रमण के जोखिम से जुड़े हुए हैं। हालांकि, किसी प्रकार के टीके के सुरक्षा कवच को तोड़ने की आशंका के लिहाज से सबसे जरूरी सवाल है कि कोई संक्रमित होता है कि नहीं बल्कि यह है कि संक्रमण गंभीर बीमारी या मौत का रूप न ले ले।

टीके का काम गंभीर बीमारी को रोकना है और अब तक यह उचित अपेक्षा है कि प्रयोग में आने वाले मुख्य टीके वायरस के चिंताजनक स्वरूपों के खिलाफ ऐसा करने में सक्षम हों। ऐसा कुछ हद तक संभवत- इसलिए है क्योंकि प्रत्येक टीका मजबूत एंटीबॉडी प्रतिक्रिया पैदा कर रहा है। भले ही एंटीबॉडी की गुणवत्ता कम हो लेकिन मात्रा ज्यादा देकर इस कमी को पार किया जा सकता है। वे स्पाइक प्रोटीन पर चिपक सकती हैं और भले ही वे कम चिपचिपी हों लेकिन एंटीबॉडीज जितनी अधिक होंगी उतनी ज्यादा वे प्रोटीन पर जाकर चिपकेंगी। और भले ही एंटीबॉडीज की शक्ति हल्की भी हो जाए प्रतिरक्षा तंत्र

के पास एक और मजबूत हथियार है टी कोशिकाएं। टी कोशिकाएं वायरस के कई हिस्सों की पहचान कर सकती हैं। वे दो तरीकों से काम करती हैं- बी कोशिकाओं को ज्यादा से ज्यादा एंटीबॉडीज बनाने में मदद कर सकती हैं या संक्रमित कोशिका को मार सकती हैं। संक्रमण शुरू होने के बाद टी कोशिकाओं की यह प्रतिक्रिया शुरू हो जाती है। प्रकारों के खिलाफ टी कोशिकाओं के विफल होने की संभावना बहत कम होती है। इन सभी बातों से भरोसा जगता है कि टीके कितने प्रभावी हैं। सबसे आवश्यक है कि संभवत- स्पाइट प्रोटीन के साथ बूस्टर टीके लगाएं जाएं या चिंताजनक स्वरूपों से एमआरएनए लेकर खुराकों में डाला जाए और ऐसे कदम भी उठाए जा रहे हैं कि एक ऐसा टीका बने जो सभी प्रकार के कोरोना वायरसों के खिलाफ बचाव दे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भांजी से दुष्कर्म के दोषी मौसा को उम्रकैद के साथ ही पीड़िता को १० लाख की सहायता का आदेश

क्रांति समय दैनिक

सूरत,सूरत की जिला कोर्ट ने १४ साल की मासूम किशोरी के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी उसके मौसा को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही आरोपी को ७ हजार रुपए का जुर्माना और पीड़िता को १० लाख सहायता देने के आदेश दिया है। एक साल पुरानी घटना पर गौर करें तो सूरत के सलाबतपुरा क्षेत्र में १४ साल की किशोरी माता-पिता की मौत के साथ मजदूरी कर जीवनयापन करती थी। किशोरी के पड़ौस में रहनेवाले उसके मौसा शैलेष मगनभाई राठौड़ ने इसका फायदा उठाया। जब मौका मिला तब शैलेष राठौड़ ने मासूम किशोरी को अपनी हवस का शिकार बनाया। शैलेष की दुष्कृत्य का उस समय पता चला जब किशोरी का पेट बढ़ता देख उसके चचेरे भाई ने सिविल अस्पताल में जांच करवाई। जिसमें पता चला कि किशोरी गर्भवती है। इस खुलासे के बाद तुरंत पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। पुलिस को दिए बयान में किशोरी ने बताया कि शैलेष राठौड़ डरा धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म करता था। जिसके आधार पर पुलिस ने शैलेष राठौड़ को गिरफ्तार कर लिया। कुछ समय बाद किशोरी ने एक बच्ची को जन्म दिया। सूरत जिला न्यायालय ने आज इस मामले पर सुनवाई करते शैलेष राठौड़ को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा और ७ हजार रुपए जुर्माना किया है। साथ ही पीड़िता को रु १० लाख की सहायता देने का भी कोर्ट ने आदेश दिया है।

शादी का झांसा देकर लोन एजन्ट ने दो संतानों की माता के साथ दुष्कर्म, पुलिस जांच शुरू

सूरत,शहर के अमरोली क्षेत्र में दो संतानों की माता को शादी का झांसा देकर लोन एजन्ट ने उसके साथ कई दफा दुष्कर्म किया। महिला ने जब शादी की बात की समाज में बदनाम करने की धमकी और उससे छोड़ दिया। युवक की बेवफाई से आहत महिला ने अमरोली पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक सूरत के अमरोली क्षेत्र में ३३ वर्षीय विवाहित महिला किन्हीं कारणों से अपने पति से अलग होकर अपनी दो संतानों के साथ रहती है। महिला का रोहित सोलंकी नामक लोन एजन्ट से संपर्क हुआ और लोन के सिलसिले में दोनों अकसर मिलने लगे। रोहित सोलंकी भी अपनी पत्नी से अलग रहता था और विवाहिता भी पति से दूर थी। जिससे दोनों एक-दूसरे के करीब आए और दोनों के बीच सारी दूरियां खत्म हो गई। रोहित ने विवाहिता को भरोसा दिलाया कि वह अपनी पत्नी से डिवोर्स लेकर उससे शादी करेगा। विवाहिता ने रोहित की बातों पर भरोसा कर लिया। रोहित अक्सर विवाहिता के घर पहुंच जाता और उसके साथ दुष्कर्म करने लगा। यह सिलसिला करीब तीन महीनों तक चला। इस दौरान एक भी दफा शादी का जिक्र नहीं किया। आखिर विवाहिता ने जब रोहित शादी को लेकर सवाल किया तो भड़क गया और उसके साथ गालीगलौज करने लगा। विवाहिता को बदनाम करने की धमकी दी और उसे छोड़कर चला गया। रोहित की हरकत से आहत से विवाहिता ने अमरोली पुलिस थाने में उसके खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत कर दी। जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर रोहित को गिरफ्तार करने की दिशा में कवायद तेज की है।

वेजलपुर में झुग्गी बस्ती में लगी आग, ४० से अधिक झुग्गियां स्वाहा, कोई जानहानि नहीं

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,शहरके वेजलपुर क्षेत्र की झुग्गी बस्ती में आज सुबह करीब १० बजे आग लगने से अफरातफरी मच गई। खबर मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गई, लेकिन उससे पहले कई झुग्गियां जलकर स्वाहा हो गईं। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के वेजलपुर क्षेत्र में रेडियो मिर्ची टावर के सामने स्थित चंद्रनगर झुग्गी बस्ती में आज सुबह १० बजे गैस सिलिंडर में ब्लास्ट के बाद आग भड़क उठी और देखते ही कई झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की १३ जितनी गाडियां घटनास्थल पर पहुंच गई और आग पर काबू पाने का प्रयास तेज कर दिया। संकरी गलियां होने के कारण

दमकलकर्मियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। १३ से अधिक फायर फाइटर द्वारा १.३० लाख क्यूसेक पानी का उपयोग कर आग पर काबू पा लिया गया है। बताया जाता है कि एक झुग्गी सिलिंडर ब्लास्ट हुआ था, जिसके बाद आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने अन्य कई झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया। जिसकी वजह से अन्य ८ जितने गैस सिलिंडर ब्लास्ट होने का अनुमान है। राहत की बात यह है कि आग की इस घटना में कोई जानहानि नहीं हुई। लेकिन ४० जितने झुग्गियां आग में जलकर स्वाहा हो गईं।

भाजपा नेता के खिलाफ युवती ने दर्ज कराई रिपोर्ट, जानें क्या है कारण

क्रांति समय दैनिक

छोटाउदेपुर शहर भाजपा के महामंत्री एवं पूर्व नगर पालिका के सदस्य महेन्द्रसिंह उर्फ महेश रणवीरसिंह आंबलिया के खिलाफ एक युवती ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। आरोप है कि महेश ने उसके साथ कई दफा शारीरिक संबंध बनाए, जिससे वह गर्भवती हो गई और बच्चे को जन्म दिया। जिसके बाद महेन्द्र ने दोनों को अपनाने से इंकार कर दिया। युवती के मुताबिक सात साल पहले वह मोबाइल के जरिए महेन्द्र आंबलिया के संपर्क में आई थी। जिसके बाद दोनों के बीच लंबी लंबी बातें होने लगी। एक दिन महेन्द्र ने मोबाइल पर उसे प्रपोज किया, जिसे उसे स्वीकार कर लिया। इसके बाद महेन्द्र का खेल शुरू हो गया और शादी की लालच देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने शुरू कर दिए। उससे शादी का वादा करने के बावजूद महेन्द्र ने अन्य युवती से शादी रचा ली। जिसकी वजह से दोनों के बीच झगड़ा हुआ। महेन्द्र के शादी से इंकार के बाद उसने जहरीली दवाई पी ली। यह मामला पुलिस थाने में भी दर्ज हुआ और कोर्ट में सुनवाई भी हुई। कोर्ट कार्यवाही के दौरान महेन्द्र ने उसे रखने का वादा किया। महेन्द्र के वादे पर भरोसा कर उसने कोर्ट में उसके पक्ष में बयान देकर मामला खत्म कर दिया। कुछ समय बाद महेन्द्र फिर एक बार उससे मिलने लगा और शारीरिक संबंध भी बनाने लगा। जिससे वह गर्भवती हो गई। गर्भवती होने पर महेन्द्र ने उससे संबंध खत्म कर लिए, यहां तक कि बातचीत करना भी बंद कर दिया। साथ ही गर्भपात कराने की धमकी भी दी। लेकिन उसने गर्भपात नहीं करवाया और बच्चे को जन्म दिया। बच्चे के जन्म के बाद महेन्द्र ने दोनों स्वीकार करने से इंकार कर दिया। आखिरकार महेन्द्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवानी पड़ी।

सार-समाचार

कक्षा १२ की परीक्षा न देने पानेवालों को २५ दिनों बाद फिर मिलेगा मौका

अहमदाबाद,गुजरात में आज कक्षा १२ की बोर्ड की परीक्षाओं को ऐलान हो गया। गुजरात माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा १ मई २०२१ से कक्षा १२ की बोर्ड परीक्षाएं ली जाएंगी। इसी के साथ कक्षा १० के रिपिटर विद्यार्थियों की भी परीक्षा होगी। कोरोना संक्रमित विद्यार्थी यदि निर्धारित समय पर परीक्षा नहीं दे पाते हैं तो उन्हें २५ दिनों पर बाद फिर अवसर मिलेगा। राज्य के शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा ने कक्षा १२ की परीक्षा की घोषणा के साथ अन्य कई मुद्दों पर स्पष्टता की है। उन्होंने कहा कि कोई विद्यार्थी कोरोना संक्रमित है और निर्धारित समय पर परीक्षा नहीं दे पाता तो उसके लिए २५ दिनों बाद व्यवस्था की जाएगी। ऐसे विद्यार्थियों के लिए २५ दिनों बाद नए सिरे से, नए समय और नए प्रश्नपत्र आधारित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार कक्षा १० के रिपिटर विद्यार्थियों की परीक्षा ली जाएगी। शिक्षा मंत्री ने बतायाकि स्कूलों में नए शैक्षिक सत्र के लिए जल्द ही नई गाइडलाइन जारी की जाएगी। जिसमें फीस से लेकर प्रवेश और स्कूल संचालक समेत सभी मामलों को उल्लेख होगा। इसके अलावा चूडास्मा ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल सरकार ने कक्षा १० के विद्यार्थियों की फीस वापस करने के बारे में कोई फैसला नहीं किया। स्कूल संचालकों और अभिभावकों को सुनने के बाद सरकार इस बारे में फैसला करेगी। सोशल मीडिया में वायरल कक्षा १० के विद्यार्थियों की फीस वापस करने की खबरों का खंडन करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे कोई फैसला सरकार ने नहीं किया।

रिहायशी इलाके में चल रहे सेक्स रैकेट का पर्दाफाश, महिला और ग्राहक समेत ६ धरे गए

जूनागढ़,शहर के जगमाल चौक के एक मकान में चल रहे सेक्स रैकेट का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने संचालक महिला और ग्राहक छह लोगों को धर लिया। महिला अलग अलग शहरों से युवतियों को बुलाकर देहव्यापार करवाती थी। जानकारी के मुताबिक जूनागढ़ शहर के जगमाल चौक के निकट आदिनाथ एपार्टमेंट के एक मकान में ४२ वर्षीय महिला बाहर से युवतियां बुलाकर उनसे देहव्यापार करवाती थी। इसकी सूचना मिलते ही जूनागढ़ पुलिस हरकत में आ गई। जूनागढ़ की ए डिवीजन पुलिस ने आदिनाथ एपार्टमेंट के मकान में छापा मारा। जहां से सेक्स रैकेट चलाने वाली महिला, एक ग्राहक और चार युवतियां मिलीं। पुलिस ने महिला और ग्राहक को गिरफ्तार कर लिया।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टूलकिट केसः दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस के 2 नेताओं को भेजा नोटिस

राहुल बोले- सत्य डरता नहीं

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कथित 'कोविड टूलकिट' मामले में दिल्ली पुलिस की ओर से माइक्रो-ब्लॉगिंग वेबसाइट ट्विटर के कार्यालय पर छापेमारी किए जाने के एक दिन बाद कहा कि सत्य डरता नहीं है। राहुल गांधी ने हैशटैग टूलकिट के साथ ट्वीट किया कि सत्य डरता नहीं। दिल्ली पुलिस ने टूलकिट मामले में कांग्रेस पार्टी से जुड़े दो लोगों को जांच में शामिल होने के लिए नोटिस भेजा है। टूलकिट मामले में ट्विटर के कार्यालयों पर दिल्ली पुलिस की छापेमारी के एक दिन बाद राहुल गांधी ने तंज कसते हुए ट्वीट किया, 'सत्य डरता नहीं।' साथ ही हैशटैग टूलकिट का इस्तेमाल किया। वहीं कांग्रेस ने कथित 'कोविड टूलकिट' मामले में 11 केंद्रीय मंत्रियों के ट्वीट का हवाला देते हुए ट्विटर से आग्रह किया कि इन नेताओं को लेकर भी उसी तरह की कार्रवाई की जाए जो 'मैनिपुलेटेड मीडिया' (छेड़छाड़ किया हुए तथ्यों) और फर्जीवाड़े के दूसरे मामलों में की जाती है। कांग्रेस महासचिव एवं मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने केंद्रीय मंत्रियों-गिरिराज सिंह, पीयूष गोयल, स्मृति ईरानी, रविशंकर प्रसाद, प्रह्लाद जोशी, धर्मेंद्र प्रधान, रमेश पोखरियाल निशंक, थावरचंद गहलोत, हर्षवर्धन, मुख्तार अब्बास नकवी और गजेंद्र सिंह शेखावत के ट्वीट के यूआरएल ट्विटर इंडिया के प्रबंधन को एक पत्र के माध्यम से भेजे हैं और कारवाई की मांग की है। सुरजेवाला ने कहा कि 'फर्जी सामाग्री को प्रसारित करने के लिए ट्विटर के मंच के दुरुपयोग करने' और 'मैनिपुलेटेड मीडिया' के दूसरे मामलों में कार्रवाई का जो मापदंड अपनाया जाता है, वही इन मंत्रियों के ट्वीट के मामलों में भी अपनाया जाए। फिलहाल, इन वरिष्ठ मंत्रियों और भाजपा की तरफ से कांग्रेस के इस कदम पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

- क्या है मामला

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने टूलकिट को लेकर एक ट्वीट किया। ट्विटर ने इस ट्वीट को 'मैनिपुलेटेड मीडिया' बताया था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने ट्विटर को नोटिस भेजा है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने ट्विटर से पूछा कि ऐसे क्या तथ्य हैं कंपनी के पास, जिसके आधार पर उसने टूलकिट को लेकर किए ट्वीट को 'मैनिपुलेटेड मीडिया' बताया। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ की टीम ने कथित 'कोविड टूलकिट' मामले की जांच के संबंध में ट्विटर इंडिया के दिल्ली और गुरुग्राम स्थित कार्यालयों पर सोमवार की शाम छापेमारी की। संबित पात्रा ने केंद्र सरकार के कोरोना प्रयासों को बदनाम करने के लिए कांग्रेस पर 'टूलकिट' का सहारा लेने का दावा किया, लेकिन ट्विटर ने संबित के इस ट्वीट को ही 'मैनिपुलेटेड मीडिया' बता दिया। केंद्र सरकार ने इस आपत्ति जताई।

दिल्ली एम्स में कोवाक्सिन की बूस्टर डोज के लिए परीक्षण शुरू

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च में जिस कोरोना वैक्सीन की खुराक ली थी उसी पर अब दिल्ली एम्स में एक और परीक्षण शुरू हुआ है जिसमें बूस्टर खुराक दी जा रही है। दिल्ली एम्स के परीक्षण केंद्र पर 5 लोगों को बूस्टर खुराक दी गई। बूस्टर×ठ्ठड्डह्यश्च;खुराक उन लोगों को दी जा रही है जिन्हें वैक्सीन की दोनों खुराक लिए छह माह का वक्त पूरा हो चुका है। देश में टीकाकरण कार्यक्रम 16 जनवरी से शुरू हुआ है। इसलिए परीक्षण में उन लोगों को शामिल किया गया जिन्हें पिछले वर्ष कोवाक्सिन के दूसरे और तीसरे चरण में शामिल किया था।

दरअसल आईसीएमआर के साथ मिलकर हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक कंपनी ने कोवाक्सिन को तैयार किया है जिसे एक कोरोना के जिंदा विषाणुओं को असक्रिय करने के बाद बनाया है। तीन जनवरी को यह वैक्सीन आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति लेने के बाद राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम का हिस्सा बनी। फरवरी में भारत बायोटेक ने सरकार से अपील की थी कि उन्हें बूस्टर खुराक के लिए भी परीक्षण करने की अनुमति दी जाए। 2 खुराक लेने के बाद कुछ फीसदी लोगों में एंटीबॉडी कम होने का खतरा बन सकता है। इसलिए वे बूस्टर खुराक पर काम करना चाहते हैं। पहली 2 खुराक लेने के छह माह बाद इसे लेकर एंटीबॉडी की मात्रा काफी बढ़ाई जा सकती है। इस आवेदन पर सरकार के ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने 18 मार्च की बैठक में अनुमति दी थी लेकिन इसके लिए शर्त यह रखी है कि बूस्टर खुराक जिन लोगों को मिलेगी उन्हें अगले 6 माह तक व्यवस्थित तरह से फॉलोअप लिया जाएगा। वैज्ञानिक दृष्टिकोण के लिहाज से इसकी क्षमता और असर के बारे में साबित किया जा सके। इसी के तहत अब दिल्ली एम्स में परीक्षण शुरू हुआ है। एम्स के अलावा देश के अन्य अस्पतालों में भी यह परीक्षण होने वाला है।

मोदी मंत्रिमंडल ने आईसीओएआई द्वारा देशों के साथ किए समझौता ज्ञापनों को स्वीकृति दी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीओएआई) और इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) द्वारा विभिन्न देशों/संगठनों के साथ किए गए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) को कार्योत्तर स्वीकृति दे दी है। इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीओएआई) और इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) ने विदेशी संगठनों इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एकाउंटेंट्स (आईपीए), ऑस्ट्रेलिया, चार्टर्ड इंस्टीट्यूट फॉर सिक्योरिटीज एंड इन्वेस्टमेंट, यूके (सीआईएसआई), चार्टर्ड इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड एकाउंटेंसी (सीआईपीएफए), यूके, इंस्टीट्यूट ऑफ सर्टिफाइड मैनेजमेंट एकाउंटेंट्स, श्रीलंका और इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड सेक्रेटरीज एंड एडमिनिस्ट्रेटर्स (आईसीएसए), यूके के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। विभिन्न ज्ञापन अर्हताओं को परस्पर मान्यता देने और वार्षिक सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों/ कार्यशालाओं, सेमिनारों और संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं आदि, जो अपने अधिकार क्षेत्र में आती हों, में भागीदारी के द्वारा जानकारियों के आदान-प्रदान के लिए व्यापक सहयोग, अनुभव साझा करने और तकनीक सहयोग की मांग करते हैं।

महामारी से अकेले मई में 30 फीसदी से ज्यादा मौतें, कोरोना काल का सबसे घातक महीना

नई दिल्ली । देश में पिछले साल कोरोना महामारी के दस्तक देने से लेकर अब तक का सबसे घातक महीना मई साबित हुआ है। कोरोना महामारी की दूसरी लहर का प्रकोप जारी है। आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि देश में एक मई के बाद से अब तक 95,390 लोगों ने संक्रमण के चलते दम तोड़ा है, जो मृतकों की कुल संख्या का 31.41 फीसदी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में अब तक कोरोना वायरस से कुल 2.67 करोड़ लोग संक्रमित हुए हैं। इनमें से 1.45 करोड़ यानी 54.32 फीसदी लोग 1 अप्रैल के बाद संक्रमित हुए हैं। देश में महामारी के दस्तक देने से लेकर अब तक कुल संक्रमित में से 79.89 लाख लोग मई में संक्रमित हुए हैं, जो कुल संक्रमितों का 30 फीसदी है। देश में सोमवार तक कोरोना संक्रमण के चलते 3,03,720 लोगों की मौत हो गई। ब्राजील, अमेरिका के बाद अब भारत तीसरा ऐसा देश बन गया, जहां पर कोरोना महामारी की वजह से 3 लाख से ज्यादा लोगों ने जान गंवाई है। महामारी की दूसरी लहर ज्यादा घातक साबित हुई है। कुल मरने वालों में से सिर्फ अप्रैल और मई महीने में 46 फीसदी की मौत हुई। 1 अप्रैल से अब तक देश में 1.40 लाख लोगों की जान जा चुकी है। अकेले मई में 95390 मौतें हुई हैं।

प्रदेश भाजपा द्वारा पिछले 39 दिनों से 'सेवा ही संगठन' के अंतर्गत चलाए जा रहे अभियान के तहत जरूरतमंद और कोरोना पीड़ित मरीजों के परिजनों को उनकी जरूरत का समान उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी के तहत आज भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने देव नहर करोलबाग सहित कई जगहों पर सूखा राशन, पका भोजन, सेनेटाइजर, स्टीमर, मास्क सहित अन्य उपकरण का वितरण किया।

देश के अलग-अलग हिस्सों में फंसे सभी प्रवासी कामगारों को ड्राई राशन देने का 'सुप्रीम' आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना महामारी की वजह से देश के अलग-अलग हिस्सों में फंसे प्रवासी मजदूरों को ड्राई राशन मुहैया कराने का आदेश दिया है। कोर्ट ने सभी राज्यो व केंद्रशासित प्रदेशों को उन जगहों पर कम्युनिटी किचन शुरू करने का आदेश दिया है जहां भी मजदूर फंसे पड़े हैं। जस्टिस अशोक भूषण और जस्टिस एमआर शाह की पीठ ने अपने आदेश में कहा है कि प्रवासी मजदूर, चाहे वे देश के किसी भी हिस्से में ही क्यों न फंसे हो, को आत्म निर्भर योजना या केंद्र व राज्यों की किसी अन्य योजना के तहत ड्राई राशन मुहैया कराया जाए। इसके लिए मजदूरों के लिए राशन कार्ड दिखाना अनिवार्य नहीं होगा। पीठ ने कहा की फंसे पड़े मजदूरों व उनके परिवार वालों को दो वक्त का भोजन मुहैया कराना राज्य सरकार व केंद्र शासित प्रदेशों की जिम्मेदारी है। लिहाजा सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे उन स्थानों पर कम्युनिटी किचन की शुरुआत करें जहां मजदूर फंसे पड़े हैं। पीठ ने कहा किलॉकडाउन की वजह से कीउनका रोजगार छिन गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कम्युनिटी किचन सहित अन्य योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए कहा है जिससे कि लोग इन योजनाओं का फायदा ले सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमारा मानना है कि असंगठित कामगारों व प्रवासी मजदूरों तक राज्य व केंद्र की योजनाओं का फायदा पहुंचाने के लिए मजदूरों का पंजीकरण जरूरी है। असंगठित कामगारों का पंजीकरण जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए और पूरे देश में विभिन्न राज्यों में रह रहे सभी संगठित श्रमिकों के लिए कॉमन नेशनल डेटाबेस होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकारों को संगठित कामगारों के जल्द से जल्द पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करने के लिए कहा है, जिससे कि असंगठित कामगारों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। वहीं जरूरतमंद लोगों को नगद हस्तांतरण की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने किसी भी तरह का आदेश पारित करने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह नीतिगत मामला है।

महाराष्ट्र में कोविड को लेकर बदले नियम, होम आइसोलेशन में नहीं रह सकेंगे कोरोना मरीज

मुंबई (एजेंसी).

महाराष्ट्र में कोविड को लेकर नियम बदले गए हैं। नए नियम के तहत अब मरीज को कोविड सेंटर जाना होगा। कोई भी मरीज होम आइसोलेशन में नहीं रह सकता। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा कि हमने उन 18 जिलों के मरीजों के लिए होम आइसोलेशन रोकने का फैसला किया है जहां पॉजिटिविटी रेट ज्यादा है। इन जिलों के मरीजों को क्वांर्टीन सेंटर जाना होगा, होम आइसोलेशन की अनुमति नहीं होगी।ऐसे वक्त में जब पूरे देश समेत महाराष्ट्र में कोरोना के मामले काफी हद तक कम हो रहे हैं, तो राज्य सरकार की तरफ से ऐसे कदम उठाए जाने के पीछे संभावना जताई जा रही है कि सरकार को लगता है कि लोगों को होम आइसोलेशन में रखा गया तो कई बार लोग इसे फॉलो नहीं करते। जिसकी वजह से घर के जो बाकी सदस्य हैं या उनके आसपास रहने वाले लोग हैं उनमें कोरोना फैल जाता है। अभी राज्य में स्थिति पहले से बेहतर है।मेडिकल सुविधाओं पर ज्यादा दबाव या प्रेशर नहीं है। ऐसे में जो भी नए केस निकलेंगे उनको अपने परिवार से और अपने आसपास के लोगों से अलग करना संभव हो पाएगा। जिससे कोविड सेंटर में रहकर उनका ध्यान रखा जाएगा। महाराष्ट्र सरकार ने कोरोना पर एक रिव्यू मीटिंग की थी। उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ मीटिंग में स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे भी मौजूद थे। होम आइसोलेशन बंद किए जाने के फैसले को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। महाराष्ट्र में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 22,122 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या 56,02,019 हो गई। इसके अलावा 361 और रोगियों की मौत के साथ ही मृतकों की तादाद 89,212 तक पहुंच गई है।

उत्तर प्रदेश में मिशन 2022 में जुटी बीजेपी

योगी आदित्यनाथ कैबिनेट का होगा विस्तार

लखनऊ (एजेंसी)।

यूपी में योगी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों के बीच सियासी हलचल तेज है। मंत्रिमंडल का विस्तार लगभग तय माना जा रहा है। दरअसल तीन मंत्रियों की मौत के बाद पद खाली है। यही नहीं चर्चा है कि मंत्रिमंडल में कुछ नए चेहरे शामिल किए जा सकते हैं। आपको बता दें कि योगी कैबिनेट में इस समय 53 मंत्री हैं। इसमें 23 कैबिनेट मंत्री, 9 राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार और 21 राज्य मंत्री हैं। जानकारी के मुताबिक योगी कैबिनेट में मंत्रियों की संख्या 60 हो सकती है। ऐसे में देखने वाली बात होगी कि अगामी चुनावी समर को देखते हुए क्या मंत्रियों की संख्या बढ़ाई जाएगी? या सिर्फ खाली पदों पर ही किसी को जिम्मेदारी दी जाएगी। हालांकि सियासी गलियारों में चर्चाएं तेज हैं। पर हकीकत क्या है यह तो पर्दा उठने के बाद ही पता चलेगा योगी सरकार के तीन मंत्रियों की कोरोना से मौत के बाद पद खाली है। होमगार्ड मंत्री और पूर्व क्रिकेटर चेतन चौहान का निधन हो गया था। चेतन चौहान का निधन कार्डियक अरेस्ट के कारण हुआ था। चेतन चौहान कोरोना वायरस से भी संक्रमित थे। वहीं कोरोना संक्रमण के कारण कैबिनेट मंत्री और कानपुर के घाटमपुर से विधायक कमल रानी वरुण की भी मौत हो गई थी। 18 जुलाई को कोरोना पॉजिटिव आने के बाद उन्हें लखनऊ पीजीआई में भर्ती कराया गया था। कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर ने मंत्री विजय कश्यप को भी छीन लिया। ऐसे में तीन पद खाली है जिनकी जिम्मेदारी किसी को मिलनी है।

इधर कई दिनों से योगी मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलें चल रही थी कि रविवार को संघ के साथ बैठक हुई। इसके बाद संघ सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले लखनऊ पहुंचे गए। बताया जा रहा है कि लखनऊ केंद्र रहा है। होसबोले संघ के लोगों से मुलाकात करेंगे। हालांकि जब से आईएएस एके शर्मा को यूपी में एमएलसी बनाया गया है तभी से इस बात की भी चर्चा हो रही है कि उन्हें भी योगी कैबिनेट में जगह मिल सकती है। इस कोरोना काल में जिस तरह से एके शर्मा पूर्वांचल में सक्रिय रहे उससे भी उनके मंत्री बनने के कयास लगाए जाने लगे।

संक्षिप्त समाचार

भारत बंद का समर्थन आज नहीं करेगा, कहा- किसी भी नेता को बदनाम करने का हक नहीं

नई दिल्ली। भारतीय किसान संघ ने कहा कि वह 26 मई को संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा बुलाए भारत बंद का समर्थन नहीं करेगा। संगठन ने कहा कि आंदोलन के नाम पर कुछ लोग केवल अपनी राजनीति को चमकाने की कोशिश कर रहे हैं और इन लोगों का असली किसानी या किसान से कोई वास्ता नहीं है। वह ऐसे किसी भी आंदोलन का समर्थन नहीं करता, जिससे किसानों को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।भारतीय किसान संघ ने कहा कि जिस समय देश कोरोना की महामारी से गुजर रहा है और अभूतपूर्व संकट का सामना कर रहा है, कुछ लोग आंदोलन के नाम पर सड़कों को जाम करके बैठे हुए हैं। वे कभी मरीजों को लेकर जा रही एम्बुलेंस का रास्ता रोकते हैं तो कभी मरीजों के इलाज के लिए ले जाई जा रही ऑक्सीजन का रास्ता रोकते हैं। ऐसे लोग किसी के हित में कदम नहीं उठा रहे हैं, बल्कि राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं। भारतीय किसान संगठन ऐसे किसी भी कार्यक्रम का समर्थन नहीं करता।

सीबीएसई करेगा 10वीं-12वीं के बच्चों का तनाव दूर, जारी किया टोल फ्री नंबर

नई दिल्ली। कोरोना महामारी और बारहवीं की परीक्षा पर संशय होने के कारण बच्चे काफी तनाव में हैं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड बच्चों में बैचेनी और डर के इस माहौल को दूर करेगा। इसके लिए बोर्ड ने दसवीं-बारहवीं के विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों के लिए टेली-काउंसलिंग की शुरूआत की है। इस टेली काउंसलिंग केमाध्यम से वह अपनी समस्याओं व जिज्ञासाओं का समाधान कर सकते हैं। टोल-फ्री नंबर 1800118004 जारी किया है। सीबीएसई ने इस टेलीकाउंसलिंग सेवा की शुरुआत कर दी है। इस पर देशभर से 83 विशेषज्ञ व 24 प्रिंसिपल छात्रों व उनके अभिभावकों की शंकाओं, परेशानियों व तनाव संबंधी सवालों को लेकर काउंसलिंग करेंगे। विद्यार्थी और अभिभावक सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 9.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक इस सेवा का लाभ उठा सकते हैं। इससे पहले बोर्ड ने मई की शुरुआत में सीबीएसई दोस्त फॉर लाइफ एप की शुरुआत की थी। उसकी सफलता के बाद ही बोर्ड ने अब टेली काउंसलिंग सेवा की शुरुआत की है। हर साल बोर्ड परीक्षाओं से पहले विद्यार्थियों के तनाव को दूर करने के लिए काउंसलिंग की शुरुआत की जाती है। महामारी के दौरान सीबीएसई कई कदम उठा चुका है जिसमें मानसिक स्वास्थय व वैलनेस पर मैनुअल तैयार करना व सीबीएसई दोस्त फॉर लाइफ एप शामिल है। इनके माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों व अभिभावकों की मदद की जा रही है।

लाल किला हिंसाः दीप सिद्धू सहित 19 पर देशद्रोह, दंगा और हत्या के आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने लाल किले पर हिंसा फैलाने के मामले में अभिनेता दीप सिद्धू, इकबाल सिंह, मनिंदर मोनी और खेमप्रीत सहित 16 लोगों के खिलाफ तीस हजारी अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दिया। करीब 3 हजार पृष्ठों के आरोप पत्र में संबंधित गवाहों के बयानों, दस्तावेज के अलावा 250 पृष्ठ में ऑपरेशनल पार्ट शामिल है। ऑपरेशनल पार्ट में यह दर्शाया है कि किस प्रकार इस पूरी साजिश को रचा व अंजाम दिया गया। लक्खा सिधाना सहित छह अन्य आरोपी अभी भी फरार चल रहे हैं। अदालत इस आरोपपत्र पर 28 मई को विचार करेगी। आरोपपत्र में पुलिस ने लाल किले पर हुई हिंसा को पूर्व नियोजित बताया है। पुलिस ने कहा कि जांच में पाया गया कि इस हिंसा की पहले से ही तैयारी थी। इसे अचानक हुई हिंसा कहना गलत है, क्योंकि दंगाई हथियारों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे थे। उनके पास तलवार, हॉकी, डंडे जैसे हथियार थे। इन्होंने वहां जमकर उपद्रव मचाया। ट्रैक्टर रैली की आड़ में इस हिंसा को अंजाम दिया है। पुलिस ने किसानों को शांतिपूर्ण तरीके से ट्रैक्टर रैली करने की अनुमति दी थी, लेकिन ट्रैक्टर के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर करीब तीन सौ उपद्रवी वहां पहुंचे थे। वहां उन्होंने लाल किले के अंदर बलपूर्वक प्रवेश कर जमकर उत्पात मचाया। एक समय तो ऐसा आया कि उपद्रवियों ने लाल किले पर कब्जा किया गया था।

कोरोना से मौत के डर से नहीं मिल सकती अग्रिम जमानत

इलाहाबाद। किसी भी व्यक्ति को जेल भेजने पर कोरोना से मौत होने के डर की वजह से अग्रिम जमानत नहीं दी जा सकती। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से दायर की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि अग्रिम जमानत पर फैसला केस की मेरिट के आधार पर किया जाना चाहिए। कोरोना संक्रम्ण होने से मौत के डर के चलते ऐसा नहीं किया जा सकता। दरअसल इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बीते सप्ताह अपने एक आदेश में कहा था कि जेलों में कैदियों की अधिक संख्या होने और केसों में इजाफे के चलते अग्रिम जमानत दी जा सकती है। उच्च न्यायालय के इस फैसले के खिलाफ यूपी सरकार ने अर्जी दाखिल की थी। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस विनीत सरन और बीआर गवई की बेंच ने कहा, आपको टिप्पणियों से परेशानी है। यह एकतरफा टिप्पणी थी कि सभी लोगों को अग्रिम बेल दिया जाना चाहिए। हम इस पर नोटिस जारी करेंगे, लेकिन स्टे नहीं लगाएंगे। लेकिन हम इस तरह के एकतरफा बयान पर रोक लगाते हैं। दरअसल हाई कोर्ट ने 130 मामलों में आरोपी प्रतीक जैन को अग्रिम जमानत दे दी थी। इसके बाद से ही हाई कोर्ट के फैसले को लेकर बहस शुरू हो गई थी। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि जिस तरह से कोरोना के मामलों में तेजी दिख रही है, उससे किसी आरोपी को जेल भेजना उसकी जान के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इसके अलावा पुलिसकर्मियों, जेल कर्मचारियों और अन्य लोगों के लिए भी यह जोखिम भरा हो सकता है। अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि ऐसे में आरोपियों को एक निश्चित अवधि के लिए अग्रिम जमानत दी जा सकती है। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट के ही एक आदेश का जिक्र किया था। इसमें शीर्ष अदालत ने कहा था कि भारत में जेलें भरी हुई हैं। ऐसे में जेलों में भीड़ को कम किए जाने की जरूरत है। कैदियों और पुलिस कर्मियों की सेहत को ध्यान में रखते हुए ऐसा फैसला लिया जाना चाहिए। चीफ जस्टिस एनवी रमाना की बेंच ने कहा था कि उन सभी कैदियों को जेल से बाहर करना चाहिए, जिन्हें बीते साल बेल या फिर पैरोल मिली है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)